



संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में सरकार, परिसीमन-महिला आरक्षण बिल पर ये है प्लान

नई दिल्ली : संसद का विशेष सत्र इसी महीने के आखिर में बुलाया जा सकता है. सरकार इस सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लाने की तैयारी में है. सूत्रों के मुताबिक सरकार को भरोसा है कि लोकसभा में इन विधेयकों को पास कराने लायक संख्या उसके पास है. यह सब ऐसे समय हो रहा है जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विरोध तेज कर रहा है. सरकार डीएमके और कुछ छोटे विपक्षी दलों से भी बातचीत कर रही है.

सूत्रों ने बताया है कि सरकार लोकसभा में अपनी ताकत को लेकर आश्वस्त है. इसी भरोसे के साथ वह विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित कानून आगे बढ़ाना चाहती है. साथ ही वह विपक्षी दलों से संपर्क करके समर्थन जुटाने की कोशिश भी कर रही है.

संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हो गया था, लेकिन उसका सत्रावसान अभी नहीं हुआ है. मतलब कि सत्र खत्म जरूर हुआ है, पर उसे औपचारिक रूप से बंद नहीं किया गया है. इसी वजह से विशेष बैठक बुलाने का रास्ता खुला हुआ है. सरकार फिलहाल सत्र की तारीखों और कार्यक्रम तय करने में लगी है.

यह कदम ऐसे वक्त उठाया जा रहा है जब सरकार को कुछ महीने पहले संसद में झटका लगा था. बजट सत्र के दौरान



17 अप्रैल को परिसीमन और लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया था. यानी वह जरूरी समर्थन नहीं जुटा पाया था. अब सरकार उसी मुद्दे पर दोबारा कोशिश करने की तैयारी में दिख रही है.

सूत्रों का कहना है कि इस बार सरकार ट्रिविड मुनेत्र कषगम यानी डीएमके से

बातचीत कर रही है. यह संपर्क तमिलनाडु चुनाव के बाद डीएमके के कांग्रेस से अलग होने और इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने के बाद शुरू हुआ है. इसके अलावा सरकार कुछ छोटे विपक्षी दलों के भी संपर्क में है. मकसद वोटिंग से पहले अपनी संख्या मजबूत करना है.

विशेष सत्र की तारीख तय करते समय 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का ध्यान

रखा जाएगा. यह कार्यक्रम 26 और 27 अक्टूबर को संविधान सदन में होना है. सूत्रों के मुताबिक विशेष बैठक बुलाने से पहले करीब एक हफ्ते का नोटिस दिया जा सकता है.

दूसरी तरफ विपक्ष एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सरकार को घेर रहा है. ऐसे माहौल में ही विशेष सत्र की तैयारी चल रही है.

मैसूर में 61 साल के हाथी अभिमन्यु का आखिरी दशहरा

□ एजेंसी मैसूर

विश्वप्रसिद्ध मैसूर दशहरा में इस बार 'जंबो सवारी' में 61 साल का हाथी 'अभिमन्यु' आखिरी बार नजर आएगा। अभिमन्यु 26 साल से शाही यात्रा का हिस्सा रहा है। वह 2000 से लगातार 750 किलो का सोने का हौदा उठाकर मां चामुंडेश्वरी यात्रा की अगुवाई करता आया है।

डीसीएफ डॉ. आईबी प्रभु गौड़ा बताते हैं कि नियमों के अनुरूप अभिमन्यु पिछले साल रिटायर हो चुका है। मैसूर के लोगों के आग्रह पर उसे विदाई जुलूस की अगुवाई की अनुमति दी है। इसलिए अभिमन्यु को लेकर पैलेस के साथ पूरा मैसूर भावुक है। इसके बाद उसे मथिगोडु हाथी शिविर भेज देंगे।

इस बीच, 21 अक्टूबर तक चलने वाले मैसूर दशहरा उत्सव के समापन समारोह के लिए नए हाथियों को रेत की बोरियों और लकड़ी के हौदे से अभ्यास करा जा रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि इस साल मैसूर दशहरा में कंबाला और तुलुनाडु की झांकी शामिल होंगी।

हौदा हाथी की पीठ पर रखा जाने वाला खास आसन या पालकीनुमा ढांचा होता है। मैसूर दशहरा में इसी पर देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा रखकर भव्य जुलूस निकाला जाता है।

14 की उम्र से वन विभाग में सेवा दे रहा अभिमन्यु कर्नाटक का सबसे शक्तिशाली 'कुमकी' (जंगली हाथियों को काबू करने वाला) हाथी है। सबसे शांत, समझदार और अनुशासित, इसलिए कर्नाटक की शान है।

26 साल तक 750 किलो सोने का हौदा उठाकर चला ; पिछले साल रिटायर हो चुका



'ऑपरेशन का बादशाह' और 'एके-47' के नाम से मशहूर इस हाथी ने देशभर में 300 से अधिक हिंसक हाथियों और 80 से ज्यादा आदमखोर बाघों-तेंदुओं को पकड़वाने में मदद की। इसलिए इसे 'कैप्टन अभिमन्यु' भी कहते हैं।

3 दशक से हौदा संभाल रहे अकरम, भोजन प्रभावी रंगराज और महावत वसंता के लिए ये विदाई आंखें नम करने वाली हैं। वसंता के पिता अभिमन्यु के महावत रह चुके हैं। अब वे मथिगोडु कैप में भी उसकी देखभाल करेंगे।

अभिमन्यु पर तीन किताबें लिख चुके 'विजय कर्नाटक' के संपादक रमेश उथप्पा ने उसकी विदाई के लिए भावुक गीत लिखा है, जो उसी दिन बजेगा।

हाथियों को मिलती है 8 घंटे पकी स्पेशल खिचड़ी

दशहरे के हाथियों को कोई दवा नहीं दी जाती, बल्कि उनका स्पेशल भोजन हरे व लाल चने, चावल, नमक और प्याज डालकर 8 घंटे तक

पकाया जाता है। फिर इसे ताजी कच्ची सब्जियां व फल मिलाकर परोसा जाता है। अभिमन्यु के बाद अब 750 किलो का सोने का हौदा उठाने के लिए धनंजय और प्रशांत नाम के शक्तिशाली हाथियों का ट्रेनिंग ट्रायल चल रहा है। आमतौर पर जुलूस में 14 हाथी होते हैं, लेकिन इस बार अभिमन्यु को मिलाकर 13 हाथी जंबो सवारी का हिस्सा बनेंगे।

ऐतिहासिक: महिला अफसर को शाही यात्रा की कमान

मैसूर दशहरा के इतिहास में पहली बार किसी महिला रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर यशमा माचम्मा को हाथियों की टीम और पूरे उत्सव की तैयारियों की कमान मिली है। वे अभिमन्यु और पूरी गजसेना की मैसूर पैलेस में अगवानी करेंगी। माचम्मा कहती हैं कि मैसूर में महिला रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर पहले भी रह चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है जब दशहरा उत्सव में किसी महिला को जिम्मेदारी मिली है।

संक्षिप्त

समाचार.....

सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा पर अफसरों को चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़क पार करने वाले लोगों की सुरक्षा के मामले में अधिकारियों को चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा कि अगर काम पूरा नहीं हुआ, तो दोनों जज दिल्ली हाईकोर्ट के गेट पर धरने पर बैठ जाएंगे और काम पूरा होने तक घर नहीं जाएंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बनर्जी को भी घर नहीं जाने दिया जाएगा। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़क पार करने वाले लोगों की सुरक्षा से जुड़ा है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर को केंद्र सरकार से कहा था कि वह दिल्ली हाईकोर्ट और नेशनल जूलीजिकल पार्क के पास सड़क पार करने वाली जगह पर स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप्स लगाने पर फ़ैसला ले। सुनवाई के दौरान कोर्ट की मदद के लिए नियुक्त एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने उस जगह रेड लाइट सिग्नल लगावा दिया है।

रूस में 7 तीव्रता का भूकंप,जापान में 9.9 का अलर्ट

कामचटका। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। इसके कुछ देर बाद जापान की मौसम एजेंसी ने गलती से 9.9

तीव्रता के भूकंप की चेतावनी जारी कर दी। इससे देशभर में अफरातफरी मच गई। हालांकि, एजेंसी ने करीब 12 मिनट बाद अलर्ट वापस ले लिया। जापान की मौसम एजेंसी ने इस गलती के लिए माफी मांगी है। जापान की भूकंप चेतावनी प्रणाली जमीन पर लगे सेंसर से मिले शुरुआती आंकड़ों के आधार पर भूकंप की तीव्रता और उसके असर का अनुमान लगाती है। यह काम कुछ ही समय में किया जाता है। शुरुआत में आंकड़े अधूरे होने के कारण अनुमान गलत हो सकता है। लेकिन इस बार 9.9 तीव्रता का अलर्ट जारी करना बड़ी चूक थी। इतनी तीव्रता का भूकंप अब तक दर्ज नहीं किया गया है।

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दिवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोकले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बेंच ने कहा, «जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के लंबे समय के खतरों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे। ऐसे शहर गैस चैंबर में बदल सकते हैं। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार, बीएमसी और एमपीसीबी को जागरूकता अभियान और शिकायत व्यवस्था शुरू करने को कहा है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पटाखों के निर्माण और बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई है। अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। खंडपीठ ने 22 सितंबर के अपने आदेश का दायरा बढ़ाया।

बोरवेल में गिरे-बच्चे का कैमरे में नहीं दिख रहा मूवमेंट

□ एजेंसी जोधपुर

राजस्थान के फलेदी जिले में बोरवेल में गिरे भोमाराम (9) को अभी



रेस्क्यू करने वाले देसी एक्सपर्ट मादाराम और उनकी टीम का प्रयास सफल नहीं हो सका है। बोरवेल के अंदर कैमरे की मदद से पत्थर के आकार और स्थिति देखकर उसके अनुसार दूसरा जुगाड़ तैयार किया जा रहा है ताकि पत्थर को निकाला जा सके। लोहे के सरियों का जाल बनाकर बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे पुनिया की ढाणी में भोमाराम 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया था। वह 640 फीट की गहराई में अटका है।

2020 दिल्ली दंगे : अदालत ने 7 आरोपियों को हत्या के आरोप से बरी किया

दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के आरोपों से सात पुरुषों को बरी कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें निषेधाज्ञा (निषेध आदेश) का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया है। अदालत ने कहा कि केवल एक पुलिस गवाह की गवाही के आधार पर आरोपियों को घातक हमलों का दोषी ठहराना असुरक्षित होगा। अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने कुलदीप सिंह, हरजीत सिंह उर्फ हैप्पी, राहुल उर्फ अजय, सचिन रस्तोगी, भारत भूषण उर्फ लकी, संदीप उर्फ संजीव और धर्मेन्द्र उर्फ धाम को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के लिए आईपीसी की धारा 188 के तहत दोषी ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी का प्रदर्शन रोकने से इनकार

□ एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के व्यापारियों की याचिका पर तत्काल आदेश देने से इनकार कर दिया। याचिका में कॉकरोच जनता पार्टी के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने प्रदर्शन से जुड़ी अन्य याचिकाओं का जिक्र करते हुए कहा, फ़र्कोई प्रदर्शन करना चाहता है, कोई मूंगफली बेचना चाहता है, कोई कानून-व्यवस्था चाहता है, ये सभी बातें आपस में जुड़ी हैं। प्रदर्शन के कारण नई दिल्ली नगर परिषद ने सेंट्रल पार्क बंद करने का आदेश दिया है। व्यापारियों का दावा है कि इससे कर्नॉट प्लेस बाजार में रोजाना 200 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हो सकता है। याचिका दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन ने दायर की है। शुक्रवार सुबह सीजेपी की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई की।

कोर्ट बोला- सभी लोग बेहतर समझदारी दिखाएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सभी लोग बेहतर समझदारी दिखाएंगे। हम जानते हैं कि सभी छोटे दुकानदार इन दिनों अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं।



RAFTAAR MEDIA
Satellite News Channel 24X7

Also Available on All Leading
MSO & OTT Platform



658



276



coming soon

Also Available on cable network



271



231



132



295



894



280



28



324



15







www.raftaarmedia.com

डांडिया की धुन और गरबा की थाप पर झूमा मनरखन महतो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस



पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने बिखेरे सांस्कृतिक रंग, डांडिया उत्सव में उत्कृष्ट प्रतिभागी पुरस्कृत

रांची: मनरखन महतो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस परिसर में डांडिया उत्सव भूमधाम व उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के अध्यक्ष मनरखन महतो ने किया। इस दौरान संस्थान के बीएड, नर्सिंग, फार्मेसी और पैरामेडिकल विभागों के छात्र-छात्राएं पारंपरिक व बहुरंगी परिधानों में सज-धजकर पहुंचे और डांडिया तथा गरबा की धुनों पर जमकर थिरे। पूरा परिसर डांडिया की खनक और संगीत की गूंज से सराबोर रहा।

समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ, जिनमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मनरखन महतो ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ जीवन में कला, उमंग और उत्सव का होना बेहद जरूरी है, जिससे युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं निदेशक मनोज कुमार महतो ने छात्र-छात्राओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारना और उनका सर्वांगीण विकास करना है। इस अवसर पर संस्था के ट्रस्टी वीरेंद्रनाथ ओहदार, खुशबू सिंह, कृति काजल, प्रबंधक मुकेश कुमार, प्रशासिका सुश्री मीना कुमारी, पूनम कुमारी, मनरखन महतो बीएड कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दूधेश्वर महतो, नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य चित्रवेल वी. फार्मेसी कॉलेज की प्राचार्या श्रुति सुमन, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डी. के. शर्मा समेत सभी व्याख्याता, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, एक गंभीर



अनगड़ा : अनगड़ा थाना क्षेत्र के हेसल जटया दीपा के समीप बाहेया रोड पर शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे में सिलवे उलताु निवासी नारायण गोप (25) की मौत हो गई, जबकि कार्तिक महतो (24) की हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, नारायण गोप, पिता ननका गोप, और कार्तिक महतो, पिता स्वर्गीय दुबका महतो, मोटरसाइकिल (Jh01FR 8065) से जा रहे थे। इसी दौरान बाहेया रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही अनगड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय स्तर पर तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को आनन-फानन में स्वर्णरिखा अस्पताल, टाटीसिलवे पहुंचाया।वहां चिकित्सकों ने नारायण गोप को मृत घोषित कर दिया। वहीं, कार्तिक महतो की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। इधर, पुलिस ने नारायण गोप के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस अज्ञात वाहन से जुड़े मामले की जांच में जुटी है।

हुसैनाबाद में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार; चोरी की दो बाइक बरामद



रफ्तार मीडिया संवाददाता, मिथिलेश यादव | पलामू
मेदिनीनगर (पलामू): पलामू जिले के हुसैनाबाद में पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से नंबर प्लेट हटाई गई चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरों में हड़कंप मचा है। पुलिस के अनुसार, 15 अक्टूबर को बराही धाम के मुख्य द्वार के पास वाहन जांच के दौरान दो युवक पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल से भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पृष्ठताछ के दौरान वे मोटरसाइकिलों के वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस के मुताबिक, दोनों चोरी की बाइक से जपला मेला घूमने जा रहे थे। गिरफ्तार युवकों की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र निवासी बिट्टू कुमार (20) और अभिषेक कुमार सिंह (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने स्पेंडर प्लस और स्पेंडर प्रो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। कार्रवाई हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में की गई।

राजधानी \आसपास

रांची

शनिवार, 17-10-2026

02

शारदीय नवरात्र को लेकर छत्तरपुर में बढ़ी रौनक, मंदिरों की तर्ज पर सज रहे भव्य पूजा पंडाल

- कहीं ठाकुरबाड़ी मंदिर की झलक, तो कहीं घृष्णेश्वर मंदिर और रामेश्वरम धाम की तर्ज पर हो रहा निर्माण; पूजा समितियों की तैयारियां तेज**
रफ्तार मीडिया संवाददाता | छोटू कुमार

छत्तरपुर (पलामू)। शारदीय नवरात्र को लेकर छत्तरपुर में भक्ति और उत्साह का माहौल बनने लगा है। मां दुर्गा के स्वागत की तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। शहर के विभिन्न इलाकों में

भव्य पूजा पंडालों का निर्माण किया जा रहा है। कहीं मंदिरों की आकर्षक वास्तुकला को पंडालों में उतारा जा रहा है, तो कहीं रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से पूजा स्थलों को भव्य रूप देने की तैयारी चल रही है। छत्तरपुर बस स्टैंड, ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर, छत्तरपुर बाजार और युवा जन जागृति मंडल से जुड़े पूजा स्थलों पर चहल-पहल बढ़ गई है। घृष्णेश्वर मंदिर और रामेश्वरम धाम की तर्ज पर तैयार हो रहे पंडाल इस बार दुर्गा पूजा के आकर्षण को और बढ़ाने वाले हैं। बस स्टैंड से ठाकुरबाड़ी



मंदिर तक दिखने लगी पूजा की रौनक

छत्तरपुर बस स्टैंड क्षेत्र में दुर्गा पूजा को लेकर पंडाल निर्माण और साज-सज्जा का काम तेजी से चल रहा है। पूजा समितियां पंडालों को आकर्षक स्वरूप देने में जुटी

हैं। वहीं, ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में भी नवरात्र को लेकर उत्साह का माहौल है। धार्मिक आस्था से जुड़े इस क्षेत्र में पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। पूजा समितियों की ओर से पंडालों को भव्य रूप देने

समाजसेवी की मिसाल: नारायण साव ने निजी खर्च से कराई खराब चापाकल की मरम्मत

- खरखरी पंचायत के काली मंडप के पास खराब पड़ा चापाकल हुआ दुरुस्त, नारायण साव ने कहा—जनसेवा ही हमारा उद्देश्य**
बिरनी/गिरिडीह। रफ्तार मीडिया संवाददाता श्याम मोदी।

गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखंड अंतर्गत खरखरी पंचायत में समाजसेवा की एक पहल सामने आई है। पंचायत क्षेत्र के काली मंडप के पास लंबे समय से खराब पड़े चापाकल की मरम्मत समाजसेवी नारायण साव ने अपने निजी खर्च से कराई। उनकी इस पहल से स्थानीय लोगों को पेयजल की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार, खरखरी पंचायत के काली मंडप के पास



स्थित चापाकल खराब होने के कारण आसपास के लोगों को पानी की उपलब्धता में परेशानी हो रही थी। लोगों की इस समस्या को देखते हुए समाजसेवी नारायण साव ने पहल की और अपने निजी खर्च से चापाकल की मरम्मत कराई।

समाजसेवी नारायण साव ने कहा कि समाज के लोगों की सेवा करना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए यथासंभव प्रयास करना उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि काली मंडप के पास चापाकल

राजस्व वसूली में तेजी लाएं, लंबित मामलों का जल्द करें निष्पादन : डीसी



रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर (पलामू)।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व वसूली में तेजी लाने और लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में ई-रेवेन्यू कोर्ट, परिसोधन पोर्टल, भूमि सीमांकन एवं आपदा राहत राशि के भुगतान की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि ई-रेवेन्यू कोर्ट के 7,364 मामलों में से 6,728 का निष्पादन हुआ है, जबकि 636 मामले लंबित हैं। परिसोधन पोर्टल पर प्राप्त 9,128 शिकायतों में से 3,359 का निष्पादन किया गया है। वहीं, भूमि सीमांकन के 16,862 आवेदनों में से केवल 4,945 मामलों का निष्पादन हुआ है।

डीसी ने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने और पात्र लाभुकों को समय पर आपदा राहत राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को अपने काम के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ें। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आजाद अंसारी पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई पर राजीव कुमार ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग



रांची: झारखंड हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता राजीव कुमार और समाजसेवी मोहम्मद आजाद अंसारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आजाद अंसारी के खिलाफ रांची जिला प्रशासन की ओर से गुंडा एक्ट के तहत की जा रही कार्रवाई पर आपत्ति जताई। राजीव कुमार ने प्रशासन से कार्रवाई की समीक्षा करने और कानूनी प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष निर्णय लेने की मांग की।राजीव कुमार ने कहा कि उनके मुक्किल को संबंधित कार्रवाई के संबंध में नोटिस मिला है। उनके अनुसार, मामले से जुड़े कानूनी पहलुओं की समीक्षा के बाद नोटिस का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आजाद अंसारी को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना चाहिए और तथ्यों के आधार पर ही निर्णय लिया जाना चाहिए।उन्होंने पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाए गए करोड़ों रुपये के कथित लेन-देन से संबंधित वीडियो की जांच आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य सरकार से कराने की मांग भी की।

गोली टांड चेक पोस्ट पर सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई: 70 टन अवैध कोयला समेत चार हाइवा जब्त

- विरोध-प्रदर्शन के बीच जवानों ने संभाली स्थिति, अधिकारियों की पहल पर बहाल हुआ कोयला परिवहन।**
रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता



खलारी : सीसीएल के एनके एवं पिपरवार क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ सीआईएसएफ ने कड़ा रुख अपनाया है। कमांडेंट अमित कुमार के निर्देश पर गठित विशेष रेड टीम ने मगध कोल परियोजना के फुलबर्सिया साइडिंग अंतर्गत चामतू स्थित गोली टांड चेक पोस्ट पर सघन जांच अभियान चलाकर अवैध कोयला लदे दो हाइवा समेत कुल चार वाहनों को जब्त कर लिया।गुप्त सूचना के आधार पर उप कमांडेंट अजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पकड़े गए दो वाहनों पर करीब 70 टन कोयला लदा

था, जिसकी अनुमानित कीमत 88,200 रुपये आंकी गई है। अन्य दो वाहन खाली थे। जांच के दौरान चालक कोयला ढुलाई से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके और मौके से फरार हो गए। जब्त वाहनों में BR01GK-9779, JH24P-1802, JH19D-0677 और JH02BQ-6864 शामिल हैं।कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने मौके पर जुटकर वाहनों को छुड़ाने के लिए विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच वीडियोग्राफी कर रहे सीआईएसएफ जवानों के मोबाइल फोन छीनने की भी कोशिश हुई, जिसे बाद में बरामद कर लिया

गया। सीआईएसएफ और झारखंड पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को बिगड़ने नहीं दिया।

घटना की सूचना मिलते ही उप कमांडेंट दिनेश कुमार और सीसीएल मगध के पीओ रakesh कुमार सिंह भी पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर मामले को शांत कराया, जिसके बाद कोयला परिवहन दोबारा सामान्य हो सका। मामले में बरियातू थाना में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (MMDR एक्ट) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सदर अस्पताल के आउटसोर्स कर्मियों का श्रमायुक्त कार्यालय में हल्ला, समानता एजेंसी पर शोषण का आरोप

रफ्तार मीडिया संवाददाता |

राँची : सदर अस्पताल राँची में आउटसोर्सिंग एजेंसी समानता सिक्योरिटी सर्विसेज के माध्यम से कार्यरत पैरामेडिकल कर्मियों का आक्रोश शुक्रवार को श्रमायुक्त कार्यालय में फूट पड़ा। अतिकुशल श्रेणी का मानदेय नहीं मिलने से नाराज दर्जनों कर्मी श्रम, नियोजन विभाग पहुंचे।

श्रमायुक्त कार्यालय में श्रमायुक्त के सहयोगी अरविंद कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतिनिधिमंडल को उप श्रमायुक्त अविनाश कृष्ण के पास भेजा।

कर्मियों ने बताया कि वे लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, नर्स ग्रेड-ए के पदों पर वर्षों से पूरी



निष्ठा से सेवा दे रहे हैं, लेकिन एजेंसी द्वारा उन्हें कुशल श्रेणी में रखकर कम मानदेय दिया जा रहा है। जबकि सरकारी नियमों और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार वे अतिकुशल श्रेणी के हकदार हैं। इससे उन्हें हर महीने हजारों रुपये का नुकसान हो रहा है।

कर्मियों ने आरोप लगाया कि यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले 24 जून 2026 को भी उप श्रमायुक्त को लिखित आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एजेंसी की मनमानी जारी है। यह न्यूनतम मजदूरी अधिनियम और

ओस की बूंदों से सांप की बांबी की मिट्टी तक, रेम्बा में 1972 से निभाई जा रही पूजा की अनूठी परंपरा

- पांच दशक से अधिक पुरानी है प्रतिमा पूजा की परंपरा, मन्नत पूरी होने पर महारानी को डाक और आभूषण चढ़ाते हैं श्रद्धालु**

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा/ गिरिडीह। ओस की बूंदें, हाथी द्वारा उखाड़ी गई मिट्टी और सांप की बांबी की मिट्टी... ये कोई सामान्य पूजा सामग्री नहीं, बल्कि रेम्बा की महारानी की पूजा में निभाई जाने वाली विशिष्ट शास्त्रीय परंपरा की हिस्सा हैं। जमुआ प्रखंड की प्रमुख व्यावसायिक मंडी रेम्बा में वर्ष 1972 से प्रतिमा पूजा होती आ रही है। पांच दशक से अधिक समय से चली आ रही इस परंपरा में आज भी पूजा के विधि-विधान और दुर्लभ सामग्रियों के प्रयोग का विशेष ध्यान रखा जाता है। स्थानीय लोगों की गहरी आस्था है कि सच्चे मन से मांगी गई मुरादें महारानी पूरी करती हैं। मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु



माता को डाक और सजावटी आभूषण अर्पित करते हैं।

पांच दशक तक विजय नंदन पांडेय ने संभाली पूजा की कमान प्रतिमा पूजा की शुरुआत से करीब पांच दशक तक विजय नंदन पांडेय ने आचार्य के रूप में जिम्मेदारी निभाई। संस्कृत और शास्त्रों के विद्वान पांडेय उनके सहयोगी और शिष्य पंडित आदित्य शास्त्री आचार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वे भी पुरानी परंपराओं को उसी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

मंदिर की स्थापना के समय से जुड़े भोलानाथ द्विवेदी, प्रहलाद राम, बनवारी मंडल और जगदीश महतो जैसे लोगों को पूजा की परंपराओं और विधि-विधानों का गहरा अनुभव है। इनके सहयोग से पूजा के लिए आवश्यक विशेष सामग्रियों की व्यवस्था की जाती है।

- मन्नत पूरी होने पर चढ़ाते हैं डाक और आभूषण**

रेम्बा की महारानी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मुरादें पूरी होती हैं। मनोकामना पूरी होने पर भक्त माता को डाक और सजावटी आभूषण चढ़ाकर अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं।

नवरात्र के दौरान रेम्बा सहित आसपास के गांवों और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं।

तीन समितियां संभालती हैं मंदिर की व्यवस्था

मंदिर की व्यवस्था और परंपराओं के संचालन के लिए तीन समितियां काम कर रही हैं। स्थायी समिति मंदिर के कोष और परिसंपत्तियों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाती है। पूजा समिति दैनिक पूजा-पाठ और वार्षिक धार्मिक आयोजनों की व्यवस्था देखती है। वहीं, मंदिर नव निर्माण समिति नए मंदिर के निर्माण के लिए धन संग्रह करने और निर्माण कार्य को गति देने में जुटी है।

आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा पंडाल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- माँ दुर्गा की अलौकिक प्रतिमा भक्तो का ध्यान कर रही अपनी ओर आकर्षित**

सौरभ राॅय/ रफ़्तार मीडिया

रांची:राजधानी रांची में दुर्गा पूजा की धूम देखने को मिल रही है। शहर के प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों में से एक रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब के भव्य पूजा पंडाल मे दुर्गा पूजा के छठे दिन श्रद्धालु की भीड़ उमड़ पड़ी । सुबह से ही मां दुर्गा के दर्शन और पूजा अर्चना के लिए भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे जैसे दिन आगे बढ़ा, श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होती गई। शाम के समय पंडाल में भक्तों की भीड़ और बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की और परिवार की सुख समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की।बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में पूजा पंडाल पहुंचे। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह से पूरा परिसर भक्तिरस में डूबा नजर आया। आरआर स्पोर्टिंग क्लब का पूजा पंडाल भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।



- टैपल ऑफ टूगेदर के थीम पर निर्मित पूजा पंडाल दे रहा है एकजुटता का संदेश***

वहीं, इस दौरान आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक विक्की यादव ने बताया कि समिति प्रत्येक वर्ष कुछ अलग थीम पर पूजा पंडाल का निर्माण कराती हैं ताकि माँ भवानी के भक्तो को पसंद आए इस वर्ष अमेरिका के नेवादा स्थित प्रख्यात टैपल ऑफ टूगेदर के थीम पर भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है जो सामाजिक एकजुटता का संदेश

दे रहा है. उन्होंने बताया भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा भी लोगो को प्रवेश करते वक्त पंडाल के ठीक उपरी स्थल पर देखने का मिल रहा है जो आकर्षण का केंद्र है.

बाँस की कलाकृति लोगो का ध्यान कर रही अपनी ओर आकर्षित

समिति के अध्यक्ष राहुल यादव ने बताया की पूजा पंडाल का निर्माण ईंको फ्रेंडली तरीके से हुई है जिसमे मुख्य रूप से बाँस का कार्य देखने को मिला है. पूजा पंडाल मे बाँस की कलाकृतिया आकर्षण का केंद्र बन चुकी हैं वहीं बाहरी हिस्से में बाँस के साथ साथ टोकरीया लगाई है जो इस

पूजा पंडाल को दूसरे पूजा पंडाल से अलग बना रही हैं.

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सक्रिय रहे क्लब के सदस्य पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए आरआर स्पोर्टिंग क्लब के सदस्य व्यवस्था बनाए रखने में लगातार जुटे रहे। भक्तों को मां दुर्गा के दर्शन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सदस्यों ने आवश्यक व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने और पूजा पंडाल में व्यवस्था कायम रखने के लिए क्लब के सदस्य सक्रिय नजर आए। क्लब की ओर

से श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बेहतर प्रबंधन का प्रयास किया जा रहा है, ताकि सभी भक्त शांतिपूर्ण माहौल में मां दुर्गा के दर्शन कर सकें।

समाज में सुख, शांति और समृद्धि की कामना

आरआर स्पोर्टिंग क्लब के संरक्षक विक्की यादव ने कहा कि क्लब की ओर से पूजा पंडाल में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत है। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की कृपा सभी पर बनी रहे और समाज में सुख, शांति एवं समृद्धि आए, यही क्लब की कामना है। नवरात्र आस्था, भक्ति और शक्ति की उपासना का पर्व है। इस दौरान कोषाध्यक्ष रोहित यादव ने कहा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा के दरबार में पहुंचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए क्लब के सदस्य लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आपसी सहयोग और अनुशासन बनाए रखते हुए पूजा अर्चना करने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली आएगी।

दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

डीसी-एसपी ने संयुक्त रूप से अधिकारियों के साथ पूजा पंडालों का किया दौरा



- सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश**
रफ़्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा।

दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को जामताड़ा उपायुक्त आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की भीड़ और विधि-व्यवस्था से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आलोक कुमार ने कहा कि

जिला प्रशासन की ओर से उन सभी पूजा पंडालों का निरीक्षण किया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ जुटती है। इसका उद्देश्य पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देना है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के क्रम में पूजा समितियों को सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर जरूरी निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि श्रद्धालु शांतिपूर्ण वातावरण में मां दुर्गा का दर्शन कर सकें। वहीं पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने जिलेवासियों को दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के साथ संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया जा

रहा है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने और भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वही एसपी ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं, ताकि पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, मुख्यालय डीएसपी नीलम कुजूर, एसडीपीओ कसीम रजा, बीडीओ अबीश्वर मुर्मू, थाना प्रभारी मनोज कुमार महता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रांची के नामकुम में जयपुर का हवा महल का नजारा:जय माता दी क्लब के भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का हुआ उद्घाटन

- दुर्गा पूजा के चढ़ावे से गरीब बेटियों की शादी में मदद करेगा क्लब**
सौरभ राॅय/रफ़्तार मीडिया

रांची:राजधानी रांची में शादीय दुर्गा पूजा का उत्साह चरम पर है। शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में भव्य सजावट और आकर्षक विद्युत साज सजा श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही है। इसी क्रम में नामकुम स्थित जय माता दी क्लब का दुर्गा पूजा पंडाल इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां जयपुर के प्रसिद्ध हवा महल की तर्ज पर भव्य पूजा पंडाल तैयार किया गया है। इसकी आकर्षक बनावट श्रद्धालुओं को राजस्थान की ऐतिहासिक स्थापत्य कला का एहसास करा रही है। पंडाल का उद्घाटन क्लब के अध्यक्ष विनोद सिंह यादव और उनके माता पिता द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हवा महल की प्रतिकृति बनी आकर्षण का केंद्र जय माता दी क्लब की ओर



से इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य स्वरूप देने के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी विशेष महत्व दिया गया है। जयपुर के ऐतिहासिक हवा महल की तर्ज पर तैयार किया गया पंडाल अपनी विशिष्ट बनावट और आकर्षक सजावट के कारण लोगों को आकर्षित कर रहा है। पंडाल के निर्माण में स्थापत्य शैली का विशेष ध्यान रखा गया है, जिससे श्रद्धालुओं को एक अलग अनुभव मिल सके।नामकुम रेलवे स्टेशन से लेकर नामकुम आर।बी। तक आकर्षक लाइटिंग और विद्युत सजा की गई है। रोशनी से सजे मार्ग और पूजा पंडाल का भव्य स्वरूप पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना रहे हैं। शाम होते ही विद्युत सजा की चमक लोगों को अपनी

ओर आकर्षित कर रही है।

धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक कार्य की अनूठी पहल जय माता दी क्लब ने इस वर्ष दुर्गा पूजा को सामाजिक सरोकार से जोड़ने की पहल की है। क्लब के अध्यक्ष विनोद सिंह यादव ने बताया कि समिति की ओर से दुर्गा पूजा को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि इसे समाजसेवा का माध्यम बनाने का भी प्रयास किया जाता है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले चढ़ावे का उपयोग गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी में सहायता के लिए किया जाएगा।उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करना भी मां दुर्गा की आराधना का

एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग देकर उनके परिवारों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने की कोशिश की जा रही है। बिना चंदा लिए होती हैं माँ दुर्गा की पूजा

विनोद सिंह यादव ने बताया कि क्लब की ओर से पूजा आयोजन के लिए किसी व्यक्ति से चंदा या आर्थिक सहायता नहीं ली जाती है। समिति अपने स्तर पर ही पूजा की व्यवस्था करती है। क्लब का प्रयास है कि धार्मिक आयोजन की भव्यता के साथ समाज के जरूरतमंद लोगों के हित में भी कार्य किया जाए।

सीयूएसबी के एम.फार्मा विद्यार्थियों ने किया एक्सआरएनए थेराप्यूटिक्स का शैक्षणिक भ्रमण

- औषधि अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों की ली जानकारी**
रफ़्तार मीडिया/गयाजी प्रभात सिन्हा

गया जी :: दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) गया जी के फार्मसी विभाग की ओर से एम.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए बोधगया स्थित एक्सआरएनए थेराप्यूटिक्स लिमिटेड का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की ‘कैंपस फॉर कम्प्युनिटी’ की परिकल्पना के तहत आयोजित इस भ्रमण में औषधि निर्माण एवं औषधि विज्ञान के करीब 50 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुब्रत कुमार भट्टमिश्र तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. विभाष चंद्र के मार्गदर्शन



में संपन्न हुआ। एक्सआरएनए थेराप्यूटिक्स के प्रबंध निदेशक विनय कुमार तिवारी ने शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्थान में संचालित अनुसंधान परियोजनाओं और उपलब्ध वैज्ञानिक सुविधाओं की जानकारी दी।

संवादात्मक सत्र में विनय कुमार तिवारी ने आधुनिक औषधि खोज एवं अनुसंधान में कंप्यूटेेशनल इन सिलिको तकनीक के महत्व तथा वैज्ञानिक अध्ययनों में पशु मॉडल के उपयोग के बारे में विस्तार

से बताया। उन्होंने कहा कि औषधि विज्ञान के स्नातकों की अनुसंधान, नवाचार और नई दवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह क्षेत्र वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में भारत की भागीदारी को मजबूत करने में भी योगदान देता है।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रयोगशाला के विभिन्न अनुसंधान विभागों और सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्हें पशु गृह, गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) विभाग, भंडारण सुविधाओं और कच्चे माल के कक्ष को देखने का अवसर मिला। इस

दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक प्रयोगशाला कार्यप्रणाली और उन्नत अनुसंधान अवसरचना की जानकारी प्राप्त की।

इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाए जाने वाले सैद्धांतिक विषयों को औषधि अनुसंधान, नई दवाओं की खोज और जैव प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जोड़कर समझने का अवसर मिला। वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के साथ संवाद के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और उभरती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के समाधान में औषधि विज्ञान की भूमिका को भी जाना।

कार्यक्रम के समापन पर प्रो. सुब्रत कुमार भट्टमिश्र ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक जिज्ञासा विकसित करने, अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इससे उन्हें नियमित पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता, मिथिलेश यादव । मेदिनीनगर (पलामू)

मेदिनीनगर: दुर्गापूजा के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पलामू पुलिस ने विशेष ट्रैफिक रूट प्लान जारी किया है। 17 से 20 अक्टूबर तक शाम चार बजे से सुबह चार बजे तक छोटी-बड़ी मालवाहक गाड़ियों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। 19 अक्टूबर को संधि पूजा के दौरान सुबह चार से नौ बजे तक भी निर्धारित प्रतिबंध लागू रहेंगे।

पुलिस के अनुसार, गढ़वा, रामगढ़,



रमकंडा, पड़वा, पाटन, लेस्लीगंज और रांची की ओर से आने वाले मालवाहक

जी डी बगड़िया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सेवा योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह: जी डी बगड़िया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय गिरिडीह में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत “नशा मुक्ति युवा का विकसित भारत”-100 सप्ताह संकल्प अभियान के अंतर्गत योग एवं आत्म सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन व हास्य योग गुरु अरविंद कुमार जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरिडीह पतंजलि जिला संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह, गिरिडीह जिला महिला पतंजलि युवा अध्यक्ष सोनी कुमारी, अधिवक्ता कौशलेंद्र प्रसाद एवं बंगाल पुलिस के आरक्षी अभय प्रताप यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों



के स्वागत के साथ किया गया। एन एस एस पदाधिकारी वंदना चौरसिया ने अध्यापिक के रूपरेखा से सभी को परिचित करवाया। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री कुमार ने नशा मुक्ति पर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें किसी भी तरह के मादक पदार्थ सेवन से न सिर्फ खुद को बचना है बल्कि अपने आसपास भी लोगों को जागरूक एवं सतर्क बनाना है। नशा मुक्त भारत ही विकसित भारत बन सकता है। इसके पश्चात देवेंद्र सिंह ने योग

के बारे में छात्रों को जागरूक करते हुए योग के महत्व को स्पष्ट किया, और कहा कि अगर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाते हैं तो हम स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं,और देश के हित के लिए खुद को समर्पित कर सकेंगे। अभय यादव ने आत्म सुरक्षा हेतु विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा की और सभी को सतर्क एवं जागरूक बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान 1 घंटे के लिए विशेष योग सत्र व 40 मिनट का आत्म सुरक्षा प्रसिद्ध प्रशिक्षण का आयोजन भी किया

दुर्गा पूजा को लेकर हीरोडीह पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

रफ़्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा/गिरिडीह। हीरोडीह। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर हीरोडीह पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में पुलिस की ओर से क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। हीरोडीह पुलिस द्वाा , माणिकबाद, मंडरो, कोढ़म्बरी थुरैता मोड़, रेम्बा और



झारखंडधाम समेत विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया।

इस दौरान पुलिस बल ने प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान

विधि-व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना तथा आम लोगों के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत करना था।

फ्लैग मार्च में पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप दास, हीरोडीह थाना प्रभारी महेश चंद्रा, डीके सिंह, मुखिया

अरुण यादव, पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु राम सहित कई लोग शामिल हुए।

इस दौरान पुलिस प्रशासन ने पर्व के दौरान आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास किया गया।

जामताड़ा पुलिस ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चार साइबर अपराधी को किया गिरफ्तार

11 मोबाइल, एक टैब और 12 सिम कार्ड किया बरामद, देश के विभिन्न राज्यों में फैला था कार्यक्षेत्र

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करमाटांड़ थाना क्षेत्र से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन, एक टैब और 12 सिम कार्ड बरामद किए हैं। शुक्रवार को साइबर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में साइबर डीएसपी अमित रविदास ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी दल का गठन किया गया था। साइबर डीएसपी के नेतृत्व में साइबर



थाना प्रभारी राजेश मंडल, पुलिस निरीक्षक पुष्पेश्वर दास, कृष्णा कुमार और पुलिस अव्वर निरीक्षक हीरालाल महतो की

टीम ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र के पिंडारी रेलवे फाटक के आगे रेलवे की जमीन पर बने एक क्षतिग्रस्त मकान में छापेमारी की।

इस दौरान साइबर अपराध करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सीताकाटा गांव

दुमका-रामपुरहाट मुख्य मार्ग पर शिकारीपाड़ा के पास पलटा शीशे से भरा वाहन, चालक बाल-बाल बचा

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

शिकारीपाड़ा/दुमका। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नलहची पुल के समीप शीशे से लदा एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में चालक बाल-बाल बच गया, उसे किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह वाहन दुमका से रामपुरहाट की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन नलहची पुल के पास पहुंचा, वहां तीखे मोड़ और अत्यधिक रफ्तार के कारण वह दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। वाहन के पलटते ही उसमें लदा सारा शीशा सड़क पर बिखर गया, जिससे सड़क के एक हिस्से



पर कांच के टुकड़े फैल गए। घटना की सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नलहची पुल के पास यह दुर्घटना कोई नई बात नहीं है। इस स्थान पर अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं, और पूर्व में यहां कई लोगों की

जानें भी जा चुकी हैं। इसके बावजूद वाहन चालक इस खतरनाक मोड़ पर अपनी गाड़ियों को अत्यधिक रफ्तार से निकालते हैं, जिससे आए दिन हावसे और जान-माल का खतरा बना रहता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सड़क पर बिखरे कांच को हटाने के साथ यातायात को सुचारू बनाने में जुटी है।

राजेश कच्छप ने 06 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत की राशि सौंपा



रांची/नामकुम : खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष के तहत खिजरी विधान सभा क्षेत्र के कुल 06 पीड़ित व्यक्तियों को कुल 2,25,000/- (दो लाख पच्चीस हजार) रुपये का लाभ दिलाया। जिसका आज विधायक के आवास लुपुंगटोली में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के हाथों लाभुकों को चेक सौंपा गया। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनता के हर सुख दुःख में मैं एवं हमारी सरकार खड़ी है। जनता के हर समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे। आज जिन पीड़ित लाभुकों के बीच चेक का वितरण किया गया। उसमें मो. इरफान अंसारी, इरबा, ओरमांडी 40,000/-, सोनी देवी, मौसीबाड़ी, धुर्वा, 40,000/-, सबा परबीन, सितियो, नामकुम 40,000/-, अनुराग लकड़ा, कवाली, नामकुम 35,000/-, सोहलता सिंह, आनन्द मार्केट, धुर्वा, 35,000/-, रामा शंकर सिंह, धुर्वा, रांची 35,000/- दिया गया। मौके पर रिजवान अंसारी, उप प्रमुख, संजीव कुमार सिंह, नईम अंसारी विधायक प्रतिनिधि (अल्पसंख्यक) मसाउल्ला अंसारी, सदर, कल्याण लिंडा, शिवदास गोस्वामी, अशोक बेदिया, प्रणव कुमार, साकिर अंसारी, छोटेलाल महतो, हरिश गंडू, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक, पंचू तिकी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

धरधरवा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दर्जन भर से अधिक घायल

घर में खुद आग लगाने का वीडियो वायरल

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : गांडेय प्रखंड अंतर्गत अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के धरधरवा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर खूनी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में दोनों पक्षों की ओर से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। वहीं घटना के दौरान एक पक्ष द्वारा विपक्षी को फंसाने की नीयत से अपने ही घर में आग लगाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पूरे इलाके में चर्चा और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, धरधरवा गांव स्थित खाता संख्या 01, प्लॉट संख्या 290, रकबा 2.60 एकड़ जमीन पर दावेदारी को लेकर कृष्णा वर्मा पक्ष और परमेश्वर मोहली पक्ष के बीच लंबे समय से



विवाद चला आ रहा था। इसी जमीन को लेकर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते लाठी-डंडे व धारदार हथियारों के साथ मारपीट शुरू हो गई। इस झड़प में दोनों पक्षों के दर्जन भर से ज्यादा लोग लहलुहान हो गए। घटना के बीच एक पक्ष द्वारा खुद अपने घर में आग लगाने का वीडियो भी सामने आया है, जो जांच का मुख्य विषय बना हुआ



है। आरोप है कि यह कदम दूसरे पक्ष को गंभीर कानूनी पचड़े में फंसाने के इरादे से उठाया गया। घटना की सूचना मिलते ही अहिल्यापुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। मामले की पुष्टि करते हुए अहिल्यापुर थाना प्रभारी ऐनुल हक खान ने बताया

निवासी सुनीत कुमार दास (25), कपिल दास (30) और सीतेश्वर दास (29) तथा काशीटांड गांव निवासी तनवीर अंसारी (20) के रूप में हुई है। सभी आरोपी करमाटांड़ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

एपीके फाइल भेजकर करते थे ठगी

साइबर डीएसपी अमित रविदास ने बताया कि आरोपी भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक सहित अन्य बैंकों के केवाईसी अपडेट करने के नाम पर लोगों को झांसा देते थे। इसके अलावा ई-चालान, शादी के कार्ड, निमंत्रण पत्र, बिजली बिल, गैस पाइपलाइन और पानी कनेक्शन के नाम पर एपीके फाइल भेजते थे।

व्हाट्सऐप स्क्रीन शेयर के माध्यम से भी साइबर ठगी की जाती थी। ठगी की रकम विभिन्न राज्यों के फर्जी बैंक खातों के जरिए निकाली जाती थी। आरोपियों का कार्यक्षेत्र मुख्य रूप से देश के विभिन्न राज्यों में फैला था।

जामताड़ा पुलिस ने थाना में मामला दर्ज जांच किया जारी

इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 68/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और दूरसंचार अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मौके पर साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल सहित अन्य उपस्थित थे।

एरिया-6 दुर्गापूजा कमेटी को मिला शारद सम्मान श्रेष्ठ 2026, पंडाल व सुरक्षा व्यवस्था के लिए हुई सम्मानित

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : आकर्षक पंडाल, मनमोहक प्रतिमा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व बेहतरीन अनुशासन व्यवस्था के लिए चित्तंरंजन की एरिया-6 दुर्गापूजा कमेटी को प्रतिष्ठित शारद सम्मान श्रेष्ठ 2026 से नवाजा गया है। यह सम्मान ह्यूमन राइट्स मिशन की सलानपुर ब्लॉक कमेटी पश्चिम बंगाल द्वारा प्रदान किया गया।

दुर्गापूजा के दौरान पूजा पंडाल की भव्य सजावट और प्रतिमा की सुंदरता के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा तथा भौड़ नियंत्रण का अनुशासित प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण होता है। एरिया-6 दुर्गापूजा कमेटी के इन्होंने उत्कृष्ट प्रयासों को देखते हुए ह्यूमन राइट्स



मिशन ने उनका चयन इस सम्मान के लिए किया। इस विशेष अवसर पर ह्यूमन राइट्स मिशन के जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर साहा, ब्लॉक उपाध्यक्ष शुभदीप मुखर्जी व प्रणय मंडल, ब्लॉक विधिक सचिव सौम्यजीत राॅय, सायन रक्षित, अतिर प्रमाणिक तथा ब्लॉक संगठन सचिव अमंदीप सिंह

दिल्लों की सक्रिय भूमिका रही। शारद सम्मान श्रेष्ठ 2026 मिलने से एरिया-6 दुर्गापूजा कमेटी के सदस्यों और स्थानीय निवासियों में भारी उत्साह है। कमेटी के सदस्यों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सेवा और अनुशासन को प्राथमिकता देना ही उनकी इस सफलता का मुख्य आधार रहा है।

सृजन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना दुर्गा पूजा उत्सव, बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : मिहिजाम पालबागान स्थित सृजन पब्लिक स्कूल में दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्ति, उत्साह और उमंग से सराबोर इस आयोजन में विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक रंगों से भर दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय

संस्कृति, परंपराओं और दुर्गा पूजा के सामाजिक-आध्यात्मिक महत्व से जोड़ना था। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए माँ दुर्गा की महिमा का बखान किया और समाज में अच्छाई की जीत का संदेश दिया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की विशेषताओं और धार्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पर्व हमें अन्याय और अहंकार के विरुद्ध



संघर्ष करने तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। विद्यालय की प्राचार्या सीमा तिवारी ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ते

हैं और उनमें सद्भाव एवं सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सदाचार अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन सर्वकल्याण, सुख और शांति की मंगलकामना के साथ हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

डांडिया हमारी समृद्ध संस्कृति, एकता और परंपरा का प्रतीक है : प्रियंका कुमारी

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में डांडिया महोत्सव की धूम, पारंपरिक परिधानों में विद्यार्थियों ने बांधा समां

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़ में नवरात्रा के शुभ अवसर पर डांडिया महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों, आकर्षक सजावट और डांडिया की मनमोहक धुनों ने विश्वविद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं को सुंदर झलक प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति हमारी कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने नवरात्रा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा



को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें एकता, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना विकसित करते हैं। सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि भारतीय त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने नवरात्रा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्होंने कहा

कि डांडिया महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का सुंदर माध्यम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, मीडिया प्रभारी डॉ संजय सिंह, डॉ

संजय प्रभाकर एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व्याख्यातगण एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। डांडिया महोत्सव जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति को समझने, उसे संजोने और आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। डांडिया महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक एकता का वातावरण बना रहा। आयोजन ने विद्यार्थियों को आपसी मेलजोल बढ़ाने तथा भारतीय परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय का यह आयोजन शिक्षा के साथ संस्कृति, संस्कार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

समाचार सार

दशहरा को लेकर बेरमो में पुलिस-प्रशासन अलर्ट, निकाला फ्लैग मार्च



बेरमो (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बेरमो में पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में है। पर्व के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के उद्देश्य से बेरमो थाना से पुराने बीडीओ कार्यालय तक संयुक्त फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व बेरमो के प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार एवं बेरमो थाना प्रभारी नित्यानंद महतो ने संयुक्त रूप से किया। इसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल हुए। फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को सुरक्षा का संदेश देते हुए दशहरा पर्व शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। पुलिस एवं प्रशासन की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखना और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकना है। प्रशासन पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सतर्क है। इस दौरान आम नागरिकों से अपील की गई कि वे दशहरा पर्व को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। साथ ही किसी भी प्रकार की अपव्यवह से बचें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में दिव्य शक्ति महोत्सव: मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की मनोहारी छटा



नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में दिव्य शक्ति-नारी शक्ति का उत्सव के अंतर्गत आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रम ने भक्ति, संस्कृति और कलात्मक अभिव्यक्ति का मनोहारी संगम प्रस्तुत किया। मां दुर्गा की असौम्य शक्ति, ज्ञान, साहस और करुणा को समर्पित इस उत्सव के माध्यम से आदिशक्ति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मां दुर्गा आवाहन की मनोहारी प्रस्तुति में प्रतिभागियों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं का सजीव चित्रण किया। दुर्गा पूजा के महत्त्व पर आधारित प्रस्तुति, भक्तिमय गीतों और नृत्य ने पूरे वातावरण को श्रद्धा एवं उल्लास से परिपूर्ण कर दिया। नवदुर्गा: देवी के नौ दिव्य स्वरूप विषय पर आयोजित वेशभूषा प्रस्तुति में देवी के विभिन्न रूपों और उनके दिव्य गुणों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। वहीं, पारंपरिक धुनुची नृत्य ने कार्यक्रम में बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की मनोहारी झलक प्रस्तुत की। उत्सव के उल्लास की ओर बढ़ते हुए प्रतिभागियों एवं शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ डांडिया में भाग लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों से सजे प्रतिभागियों ने आनंद और उमंग के साथ इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन ने उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, त्योहारों के महत्त्व तथा साहस, करुणा, एकता और सम्मान जैसे जीवन-मूल्यों को समझने का अवसर भी प्रदान किया। सभी को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्य मनीषा शर्मा ने कहा कि मां दुर्गा के आदर्श हमें नारी की गरिमा बनाए रखने, उसकी क्षमताओं को पहचानने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उसके योगदान का सम्मान करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन प्रतिभागियों में सृजनात्मकता, संवेदनशीलता तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सप्ताहभर चले इस उत्सव ने भक्ति, ज्ञान और आनंद का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हुए सत्य, साहस और करुणा जैसे शाश्वत मूल्यों को सुदृढ़ किया। यह आयोजन सरला बिरला पब्लिक स्कूल की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक रूप से जागरूक, आत्मविश्वासी और जीवन-मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्वों का निर्माण करना है।

किसानों को नई फसलों व तकनीकों से जोड़ना लक्ष्य : एन एन झा

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल, 13 किसानों को मिले 13 हजार स्ट्रॉबेरी पौधे

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

नामकूम/टाटीसिलवे : किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक कृषि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से 13 किसानों के बीच 13,000 स्ट्रॉबेरी पौधों का वितरण किया गया। इस पहल के तहत हरातु, माहिलोंग, बेड़वारी, मासु, उलातु और हेसल गांवों के किसानों को पौधे उपलब्ध कराए गए। उषा मार्टिन एचआर हेड एन.एन. झा ने कहा कि किसानों को नई फसलों और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण



कदम है। इससे किसानों को आय बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। उषा मार्टिन सीएसआर हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि

फाउंडेशन ग्रामीण किसानों की आजीविका को मजबूत बनाने और उन्हें लाभकारी खेती के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। स्ट्रॉबेरी की खेती किसानों के लिए

अतिरिक्त आय का एक बेहतर विकल्प बन सकती है। किसान प्रेमनाथ महतो का बताते है की उषा मार्टिन फाउंडेशन का आभार व्यक्त करता हूँ। फाउंडेशन की ओर से पिछले पाँच-छह वर्षों से लगातार हम किसानों को निःशुल्क पौधे, बीज और कृषि संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे हम किसानों को नई फसलों की खेती करने और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का अवसर मिल रहा है। फाउंडेशन की इस पहल से हमें खेती में नए प्रयोग करने और अपनी आमदनी बढ़ाने में मदद मिल रही है। लगातार तीन चार साल से स्ट्रॉबेरी के पौधे

मिलने से हम सभी किसान काफी उत्साहित हैं। हमें उम्मीद है कि इससे हमारी पैदावार और आय में वृद्धि होगी तथा हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। किसान भदया महतो ने कहा कि फाउंडेशन की इस पहल से किसानों को नई फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहन मिला है साथ ही किसानों को बाजार भी अपने उषा मार्टिन में देते है। जिससे किसान स्ट्रॉबेरी की खेती को सफल बनाकर अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर करते है।फाउंडेशन की इस पहल से क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा मिलने तथा किसानों की आय में वृद्धि की उम्मीद है।

माता रानी के दरबार का पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयकारों से गूँज उठा कुजू क्षेत्र, श्रद्धालुओं ने किए मां दुर्गा के दर्शन

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

कुजू (रामगढ़)। शारदीय नवरात्र की महाषष्ठी के अवसर पर शुक्रवार की शाम छह बजे रामगढ़ जिले के प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों एवं मंदिरों के पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। पट खुलते ही माता रानी के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इसी क्रम में कुजू स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मां दुर्गा की प्रतिमा का पट खोला गया। पट खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों सहित



बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में उपस्थित रहे। पट खुलने के उपरांत विधि-विधान के साथ माता रानी का बेलवरण, अधिवास एवं नवपत्रिका पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। नवरात्र के

पावन अवसर पर मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। वही क्षेत्र के रामगढ़, मांडू, कुजू, तोपा, दिग्वार,बोंगवार, आरा, सारुबेड़ा, घाटों, केदला, मुरपा सहित कई क्षेत्रों में माता की पूजा अर्चना किया गया।

समाचार सार

जामताड़ा शहर के ढाबा-होटलों में सड़क सुरक्षा को लेकर चला जागरूकता अभियान



जामताड़ा (रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : जामताड़ा जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार के निर्देश पर जामताड़ा सड़क सुरक्षा समिति की टीम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न ढाबों एवं होटलों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान संचालकों और कर्मचारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। अभियान के दौरान ढाबा एवं होटल संचालकों से अपील की गई कि वे अपने परिसर में वाहनों की सुरक्षित पार्किंग सुनिश्चित करें, ताकि मुख्य सड़क और राजमार्ग पर यातायात बाधित न हो। रात के समय परिसर तथा प्रवेश और निकास द्वारों पर पर्याप्त रोशनी रखने, सड़क किनारे रिफ्लेक्टिव टेप लगाने और धीमे चलें जैसे सुरक्षा संकेतक लगाने पर जोर दिया गया। टीम ने संचालकों को अपने परिसर में शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन को हतोत्साहित करने और नशे में वाहन चलाने से रोकने के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा, किसी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने तथा एंबुलेंस 108 और पुलिस 112 को तत्काल सूचना देने की बात कही गई। सड़क सुरक्षा प्रबंधन तौसिफ जलीली ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति और व्यवसाय से जुड़े लोगों का भी दायित्व है। ढाबा एवं होटल संचालक सुरक्षित पार्किंग, पर्याप्त रोशनी और जरूरी संकेतक लगाकर दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कर्मचारियों और वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा ट्रिपल राईडिंग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के अभियान जरूरी हैं।

रेम्बा दुर्गा मंदिर परिसर में थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण, शांति और भाईचारे के साथ पूजा मनाने की अपील



रेम्बा/गिरिडीह (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर हीरोडीह थाना पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शुक्रवार शाम सौराडीह थाना प्रभारी महेश चंद्र ने जमुआ प्रखंड के रेम्बा दुर्गा मंदिर परिसर एवं पूजा पंडाल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूजा समिति के सदसधिकाियों एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर शांति, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। थाना प्रभारी महेश चंद्र ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, श्रद्धा और आपसी एकता का पर्व है। इसे सभी समुदायों के लोगों को मिल-जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से मनाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूजा के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने, अफवाह फैलाने या किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि शराब पीकर मंदिर परिसर के आसपास घूमने, हुड़दंग मचाने अथवा पूजा के माहौल को खराब करने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। थाना प्रभारी ने पूजा समिति के सदस्यों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। रेम्बा दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी महेश चंद्र एवं पुलिस प्रशासन की सक्रियता की सराहना करते हुए निमित्त पुलिस गश्ती जारी रखने का आग्रह किया। समिति के सदस्यों ने कहा कि पूजा के दौरान पुलिस की मौजूदगी से ग्रामीणों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत होता है। उन्होंने थाना प्रभारी के मंदिर परिसर पहुंचकर निरीक्षण करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। पूजा समिति ने भी सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ दुर्गा पूजा मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर मंडल, वरिष्ठ पदाधिकारी उदय द्विवेदी, अजय द्विवेदी, अभिमन्यु राम, अनूप गुप्ता, राहुल कुमार, लालजीत साव, उमेश राणा, गुलाम मंडल, संजीव गुप्ता, पवन द्विवेदी, भोलानाथ द्विवेदी, रामू राणा, बनवारी मंडल, भार्गव राम सहित कई ग्रामीण एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर रेम्बा में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प लिया। पुलिस प्रशासन और पूजा समिति की संयुक्त पहल से रेम्बा में शांति, भाईचारे और सामाजिक एकता के साथ दुर्गा पूजा मनाने की अपील की गई।

धनबाद नगर निगम का बड़ा फैसला : सभी 55 वार्डों में लगेंगी 50-50 नई स्ट्रीट लाइटें

दुर्गा पूजा-छठ से पहले रोशनी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : आगामी दुर्गा पूजा और छठ महापर्व को देखते हुए धनबाद नगर निगम ने शहर की रोशनी और सफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। नगर निगम के सभागार में आयोजित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण लंबित प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई, जिसमें शहर के सभी वार्डों में प्रकाश की व्यवस्था बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। निगम के इस निर्णय के तहत, धनबाद नगर निगम क्षेत्र के सभी 55 वार्डों में 50-50 नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इस प्रकार पूरे शहर में कुल 2,750 नई स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इसके साथ ही, शहर के विभिन्न हिस्सों में पहले से खराब या बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को भी जल्द से जल्द ठीक कर चालू कराने के कोड़े निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। स्टैंडिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मेयर



संजीव सिंह और नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने संयुक्त रूप से त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान डिप्टी मेयर अरुण चौहान, उप नगर आयुक्त और विभिन्न वार्डों के पार्षद भी मौजूद रहे। मेयर संजीव सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के इस पावन सीजन में आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेयजल आपूर्ति, सुचारू सफा-सफाई और रोशनी की व्यवस्था को युद्ध स्तर पर दुरुस्त किया जाए।

साथ ही, वार्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करने पर भी जोर दिया गया ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। बैठक में केवल रोशनी ही नहीं, बल्कि निगम की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं सुलभ कराने से जुड़े कई अन्य लंबित प्रस्तावों पर भी चर्चा कर मुहर लगाई गई। अब जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि निगम प्रशासन इन घोषणाओं को कितनी तेजी से धरातल पर उतारता है।

20 अक्टूबर को बिड़ला मैदान में आयोजित होगा रावण दहन का भव्य कार्यक्रम

तैयारियों को लेकर एसडीओ से मिले आयोजन समिति के सदस्य

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

रांची : बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर्व को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां तेज हो गई हैं। दुर्गा पूजा के साथ साथ रांची में दशहरा उत्सव भी बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इसी क्रम में आगामी 20 अक्टूबर को बिरला मैदान में रावण दहन उत्सव समिति की ओर से भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम से पूर्व आयोजन समिति के द्वारा शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत से शिष्टाचार भेंट की। एसडीओ कुमार से मुलाकात कर आयोजन को लेकर हुई चर्चा इस आयोजन को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य



से समिति के प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत से शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान आगामी रावण दहन उत्सव की तैयारियों और कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजन को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने तथा प्रशासनिक समन्वय के विभिन्न

पहलुओं पर विचार विमर्श हुआ। समिति की ओर से उसका को भव्य रूप देने और कार्यक्रम के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर अपनी तैयारियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर रांची के डिप्टी मेयर नीरज कुमार और आयोजन समिति के आयोजक मृत्युंजय सिंह की मुख्य रूप से उपस्थिति रही।

धनबाद में डीएमएफटी की बैठक: खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 2,536 नई योजनाओं का प्रस्ताव, विधायकों ने उठाए सवाल

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : जिला समाहरणालय स्थित बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र में उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट) न्यास परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 2,536 नई योजनाओं के अनुमोदन का प्रस्ताव रखा गया। प्रशासन के अनुसार, इन प्रस्तावित योजनाओं में से 70 प्रतिशत राशि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और 30 प्रतिशत आधारभूत संरचना पर खर्च करने की रूपरेखा तैयार की गई है। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और आंगनबाड़ी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विस्तार से चर्चा हुई।



3 से 6 महीने में धरातल पर दिखेंगे परिणाम: डीसी उपायुक्त आदित्य रंजन ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन पूरी शिकायत मिलने पर दो से तीन दिनों के भीतर जांच कराने का लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट

किया कि जमीन विवाद या किसी अन्य स्थानीय समस्या के कारण विकास कार्य प्रभावित नहीं होने दिए जाएंगे। गुणवत्ता में कमी की शिकायत मिलने पर दो से तीन दिनों के भीतर जांच कराने का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा

कि अगले 3 से 6 महीनों में विकास कार्यों के परिणाम जनता को साफ नजर आने लगेंगे। इसके साथ ही, जिले के 140 विद्यालयों को 'सीएम स्कूल ऑफ एम्स'लीस' की तर्ज पर विकसित करने और प्रत्येक पंचायत में

स्वास्थ्य उपकेंद्र उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

विधायकों ने रखी मांगें और उठाई गड़बड़ी की आशंकाएं बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए और कई योजनाओं पर सवाल भी खड़े किए। निरसा विधायक अरूप चटर्जी: उन्होंने डीएमएफटी फंड से जिले में कराए गए करीब 10 हजार चापाकलों की मरम्मत के कार्यों का पूरा लेखा-जोखा मांगा। कार्यों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका जताते हुए उन्होंने हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने अंडरग्राउंड ड्रेनेज, मोबाइल हेल्थ एंबुलेंस और मैथन-पंचेत में इको टूरिज्म पार्क विकसित करने का सुझाव दिया। टुंडी विधायक मथुरा

प्रसाद महतो: उन्होंने ब्राह्मणडीह-खरिया सड़क की मरम्मत, पोखरिया में गार्ड वॉल के निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी को दूर करने की पुरजोर मांग उठाई। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो: उन्होंने स्कूलों की स्थिति सुधारने, गोविंदपुर लाइब्रेरी को बेहतर बनाने, सोलर आधारित सिंचाई व्यवस्था लागू करने तथा खुदिया नदी से जलापूर्ति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

अब क्रियान्वयन पर टिकी निगाहें प्रशासन द्वारा विकास के दावों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सवालों के बीच, अब इन 2,536 नई योजनाओं के धरातल पर सही क्रियान्वयन और पारदर्शिता पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।



संपादकीय

महंगाई की मार: आम आदमी पर बढ़ा बोझ

पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 11.39 फीसद हो गई, जो अगस्त में 9.92 फीसद थी। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन एवं बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसी माह के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर तेईस माह के उच्च स्तर 5.54 फीसद पर पहुंच गई, जो अगस्त में 4.83 फीसद थी। इसमें दोराय नहीं कि महंगाई का प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की बचत, जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सवाल है कि जरूरी वस्तुओं के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की ओर से तात्कालिक एवं प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं ! क्या सरकार को इस बात का भान नहीं है कि इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ सकता है ? गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष की शुरूआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। भारत अपने कच्चे तेल का अधिकतर हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। इन बढ़ी हुई लागतों का असर खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा है। मगर अहम

अभिमत

सवाल यह है कि तात्कालिक और भावी परिस्थितियों का आकलन कर सरकार की ओर से इस संकट से निपटने के लिए समय पर कोई प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए गए? हालांकि बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.25 फीसद की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसद कर दिया था। मगर, महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती। खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएँ, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बनती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से लोगों का बैंकों से कर्ज लेना और महंगा होने की संभावना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसद से बढ़कर सितंबर में 8.66 फीसद हो गई, जबकि विनिर्मित वस्तुओं की दर बढ़कर 9.76 फीसद पर पहुंच गई। ईंधन एवं बिजली की महंगाई दर भी 22.93 फीसद से बढ़कर 25.85 फीसद हो गई। महंगाई का सबसे ज्यादा प्रभाव निम्न और मध्य वर्ग पर पड़ता है। जिन लोगों की आय सीमित है, उनके लिए अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता है। इस तरह महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता बढ़ने का कारण भी बन जाती है। इससे निपटने के लिए सबसे जरूरी है कि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे और इसके लिए सरकार को कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने जैसे उपायों को कड़ाई से लागू करना होगा।



लोक मुद्रा

डाडिया की टकराहट में शक्ति का उद्घोष, अग्नि के घेरे में आस्था का अद्भुत रास

गुजरात की कुछ विशिष्ट लोकपरंपराओं में गरबा और रास का ऐसा रूप भी देखने को मिलता है, जो दर्शकों को विस्मय से भर देता है। पारंपरिक वेशभूषा में सजी बालिकाएं सिर पर अग्नि से घिरा गरबा घट रखती हैं और हाथों में जलती मशालें लेकर लयबद्ध कदमों के साथ प्रस्तुति देती हैं। उनके सिर पर रखे पात्र की अग्नि और माथे के बीच कपड़े की एक परत होने का वर्णन इस परंपरा को और रोमांचक बना देता है। ढोल की गूंज, अग्नि की लपटें, मशालों से निकलती रोशनी और नर्तकियों के नियंत्रित कदम- इन सबके मेल से दृश्य किसी अलौकिक अनुभूति जैसा प्रतीत होता है। दर्शकों को लगता है मानो भक्ति ने अग्नि का रूप धारण कर लिया हो और साहस स्वयं नृत्य करने लगा हो। इस प्रकार के आयोजन के बारे में प्रचलित विवरणों में नवरात्र के तीसरे, छठे और नौवें दिन प्रस्तुतियों का उल्लेख मिलता है।

नवरात्र का धार्मिक केंद्र देवी दुर्गा की उपासना है। गरबा और डाडिया इसी उपासना को लोकजीवन में अभिव्यक्त करते हैं। पारंपरिक मान्यताओं में गरबा को मंगल, समृद्धि और शुभता से भी जोड़ा जाता है। इसीलिए महिलाएं और युवतियां विशेष उत्साह से इसमें भाग लेती हैं। हालांकि इसका महत्व केवल महिलाओं या किसी एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं है। नृत्य के गोल घेरे में स्त्री और पुरुष साथ-साथ कदम बढ़ाते हैं। यहां किसी एक व्यक्ति का प्रदर्शन पूरे आयोजन का उद्देश्य नहीं होता। हर सहभागी की गति और उपस्थिति मिलकर सामूहिक दृश्य रचती है। यही इसकी सामाजिक शक्ति है। देवी की आराधना के केंद्र में स्त्रीशक्ति की प्रतिष्ठा भी निहित है। दुर्गा को अन्याय का प्रतिरोध करने वाली, संकटों का सामना करने वाली और सृष्टि की रक्षा करने वाली शक्ति के रूप में स्मरण किया जाता है। यह भाव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर सामाजिक जीवन में भी अर्थवान हो सकता है। स्त्री के साहस, सम्मान और स्वतंत्र अस्तित्व को स्वीकार करना शक्ति-उपासना की व्यापक भावना से जुड़ा संदेश है। इसी तरह अलग-अलग समुदायों के लोगों का एक साथ उत्सव मनाना सामाजिक समरसता को बल देता है। गरबा का गोल घेरा किसी के लिए स्थायी ऊंच-नीच निर्धारित नहीं करता; उसमें शामिल होने वाले सभी लोग लय के सहभागी बनते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि केवल नृत्य से समाज की सारी असमानताएं समाप्त हो जाती हैं। लेकिन सामूहिक उत्सव लोगों को एक-दूसरे के निकट आने, साझा आनंद अनुभव करने और सांस्कृतिक विविधता को स्वीकार करने का अवसर अवश्य देते हैं। खास यह है कि इस मौके पर गर्भदीप से रणभूमि तक गरबा की आध्यात्मिक यात्रा, कहीं मां दुर्गा की तलवारों का प्रतीक बनती डाडिया की खमक तो कहीं सिर पर अग्नि का घट रखकर शक्ति की आराधना करतीं बालिकाएं।

नवरात्र की रात जब ढोल की थाप वातावरण में गूंजती है, रंग-बिरंगे परिधानों में सजे स्त्री-पुरुष गोल घेरे में थिरकने लगते हैं और डाडिया की लकड़ियां एक-दूसरे से टकराकर झंकार पैदा करती हैं, तब लगता है मानो धरती पर भक्ति ने अपने पांव रख दिए हों। यह



केवल नृत्य का दृश्य नहीं, भारतीय लोकचेतना का वह जीवंत उत्सव है, जिसमें आस्था लय बन जाती है, परंपरा रंगों में ढल जाती है और मां दुर्गा की शक्ति लोकजीवन की धड़कनों में उतर आती है। गरबा और डाडिया की यही विशिष्टता है कि इनके केंद्र में केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सृजन, जीवनचक्र और शक्ति की आराधना का भाव भी निहित है। गरबा के गोल घेरे में घूमते कदम सृष्टि की निरंतर गति का बोध कराते हैं, तो डाडिया की टकराहट देवी और महिषासुर के बीच हुए पौराणिक शक्ति-संघर्ष की स्मृति जगाती है। गुजरात की धरती पर जन्मी यह लोकपरंपरा आज देश के अनेक हिस्सों में नवरात्र की पहचान बन चुकी है। लेकिन इसके रंगों के पीछे छिपे आध्यात्मिक अर्थ और कुछ अनूठी परंपराएं इसे सामान्य नृत्योत्सव से कहीं अधिक विशिष्ट बनाती हैं।

गरबा के अर्थ को समझने के लिए उसके केंद्र में जलने वाले दीपक को देखना पर्याप्त है। मिट्टी के छिद्रयुक्त घट में प्रज्वलित दीप की लौ अंधकार को चीरकर बाहर आती है। यह दृश्य मानो मनुष्य को याद दिलाता है कि शरीर मिट्टी से बना हो सकता है, लेकिन उसके भीतर चेतना का प्रकाश भी विद्यमान है। गरबा शब्द का संबंध संस्कृत के ‘गर्भ’ और गर्भदीप की परंपरा से जोड़ा जाता है। गर्भ यहां केवल जन्म का संकेत नहीं, बल्कि सृजन के उस रहस्य का प्रतीक है, जिससे जीवन निरंतर आकार लेता है। मिट्टी का घट मानो गर्भ का प्रतिनिधित्व करता है और उसके भीतर जलता दीप जीवन-ज्योति का। इसी दीप को केंद्र में रखकर जब महिलाएं गोलाकार नृत्य करती हैं, तो उनकी परिक्रमा जीवन की अनवरत गति का प्रतीक बन

लोक विचार

क्या राहुल गांधी कांग्रेस का वामपंथीकरण कर रहे हैं?

भारतीय राजनीति में विचारधाराओं का टकराव नया नहीं है, लेकिन देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस में हाल के वर्षों में जो वैचारिक बदलाव आया है, वह न केवल हैरान करने वाला है, बल्कि गंभीर सवाल भी खड़े करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी से राजनीतिक विरोध की आड़ में कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने विरोध की सभी मर्यादाओं को ताक पर रख दिया है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हमेशा से उनके निशाने पर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में यह मनमुटाव इस स्तर पर पहुंच चुका है, जहां व्यक्तिगत और दलीय विरोध अब देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने लगा है। राजनीतिक लाभ और वोट बैंक की इस अंधी दौड़ में राहुल गांधी को अब वे चेहरे सबसे अधिक भा रहे हैं, जिनकी पहचान केवल और केवल देश विरोधी और अराजक गतिविधियों से जुड़ी रही है। जेएनयू से निकले वामपंथी उग्रवाद के पैरोकार कन्हैया कुमार को पार्टी में मुख्यधारा का पद देना हो, या फिर शरजील इमाम और उमर खालिद जैसे तत्वों के बयानों और हरकतों में राजनीति के अवसर तलाशना हो, कांग्रेस का यह नया चेहरा उसकी पुरानी राष्ट्रीय मुख्यधारा की छवि से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

देश के संवेदनशील हिस्सों को भारत से अलग करने की बात करने वाले शरजील इमाम या दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपों से घिरे उमर खालिद जैसे चेहरों के इर्द-गिर्द खड़े होकर जिस तरह का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है, वह साफ तौर पर देश की संप्रभुता के खिलाफ खड़े होने जैसा है। इन तथाकथित



संजय सक्सेना



देश के संवेदनशील हिस्सों को भारत से अलग करने की बात करने वाले शरजील इमाम या दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपों से घिरे उमर खालिद जैसे चेहरों के इर्द-गिर्द खड़े होकर जिस तरह का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है, वह साफ तौर पर देश की संप्रभुता के खिलाफ खड़े होने जैसा है।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1905: बंगाल का विभाजन : वायसराय लॉर्ड कर्जन के आदेश पर बंगाल विभाजन का फैसला आज ही के दिन लागू हुआ था। इस दिन को पूरे बंगाल में शोक दिवस के रूप में मनाया गया, लोगों ने उपवास रखा और वंदे मातरम गाते हुए सड़कों पर प्रदर्शन किया।
- 1788: शाह आलम को दिल्ली का सिंहासन: मराठा सेना ने मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय को पुनः दिल्ली के सिंहासन पर बैठाया और महादजी सिंधिया के संरक्षण में उनकी सत्ता बहाल की।
- 1868: निकोबार द्वीप समूह पर ब्रिटिश नियंत्रण: डेनमार्क ने निकोबार द्वीप समूह के अपने सारे अधिकार ब्रिटेन को बेच दिए। इसी के साथ भारतीय उपमहाद्वीप से डेनिश (डेनमार्क) औपनिवेशिक उपस्थिति का आखिरी निशान हमेशा के लिए खत्म हो गया।
- 1942: बंगाल का विनाशकारी चक्रवात: बंगाल के तटीय क्षेत्रों में एक भयंकर चक्रवात और तूफान आया, जिसमें लगभग 40,000 लोगों की जान चली गई थी।
- 1968: डॉ. हरगोविंद खुराना को नोबेल पुरस्कार: भारतीय मूल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. हरगोविंद खुराना को चिकित्सा (Medicine) के क्षेत्र में आनुवंशिक कोड (Genetic Code) की व्याख्या के लिए नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी।
- 1978: कपिल देव का टेस्ट डेब्यू: भारत के महान क्रिकेट ऑलराउंडर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान के फैसलाबाद में अपने टेस्ट क्रिकेट करियर की शुरूआत की थी।
- 1793: मैरी एंटोनेट को फांसी: फ्रांसीसी क्रांति के दौरान फ्रांस की पूर्व रानी मैरी एंटोनेट को देशद्रोह के आरोप में गिलोटिन (Guillotine) पर चढ़ाकर सरेआम मृत्युदंड दे दिया गया था।
- 1923: द वॉल्ट डिज्नी कंपनी की स्थापना : वॉल्ट डिजनी और उनके भाई रॉय डिजनी ने मिलकर 'डिजनी ब्रदर्स कार्टून स्टूडियो' की शुरूआत की थी, जिसे आज दुनिया की सबसे बड़ी मनोरंजन कंपनियों में से एक 'द वॉल्ट डिजनी कंपनी' के रूप में जाना जाता है।
- 1962: क्यूबा मिसाइल संकट की शुरूआत: अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कनेडी को क्यूबा में सोवियत संघ की परमाणु मिसाइलों की मौजूदगी की तस्वीरें दिखाई गईं, जिसने शीत युद्ध के दौरान दुनिया को परमाणु युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया था।
- 1964: चीन का पहला परमाणु परीक्षण : चीन ने शिनजियांग के लोप नोर परीक्षण स्थल पर 'प्रोजेक्ट 596' नाम से अपने पहले परमाणु बम का सफल विस्फोट किया और वह दुनिया का पांचवां परमाणु-संपन्न देश बन गया।

कविता

संजीव-नी

रौशनी में सब मिले,
अंधेरों में कोई नहीं।

साया भी जुदा हुआ,
साथ अब कोई नहीं।

दर्द की इस भीड़ में,
हम रहे अकेले ही।

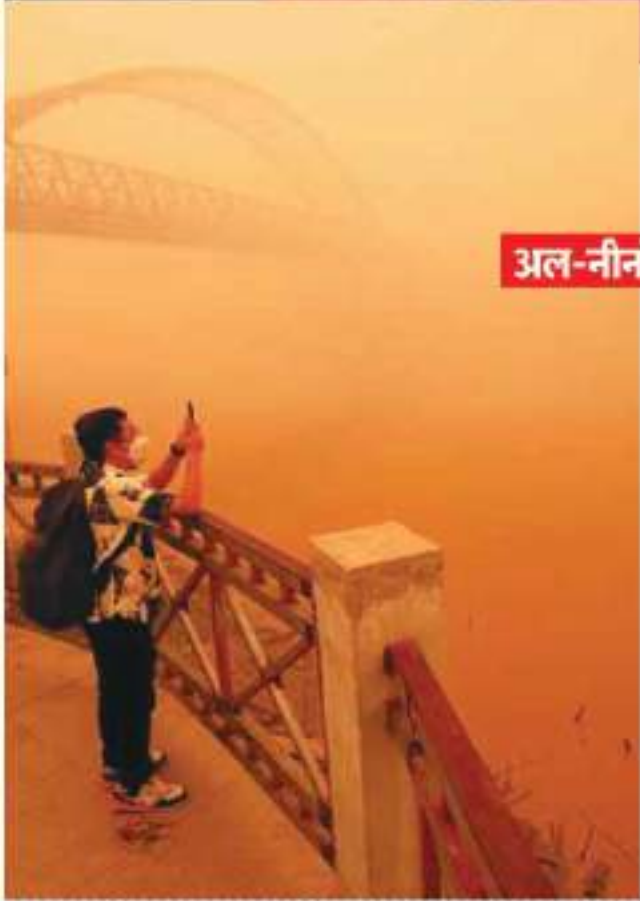
बन गया हर शख्स,
आईना-ए-अजनबी।

जि़ंदगी का सच यही,
दौर है और है बेरुखी।

आगे और मंजिलें,
सब यहाँ धुआँ सही।



संजीव ठाकुर
लेखक



अल-नीनो की मार से

धधक रहा इंडोनेशिया

जंगलों में भीषण आग, पीला-नारंगी हुआ आसमान

जकार्ता, ए.जे.सी

इंडोनेशिया में जंगलों में लगी आग से हलाल गंधीर हो गए हैं। सुमात्रा और कालीमंत द्वीपों के कई इलाकों में आग फैल रही है। इससे आसमान में घना धुआं छ गया है और कई जगह आसमान नारंगी दिखाई दे रहा है। इस आग से उठने वाला धुआं अब मलेेशिया और सिंगापुर तक पहुंच रहा है। इससे यहां भी हवा खराब हो रही है और लोगों की सेहत पर खराब बुरा रहा है। मौसम में बदलाव और बढ़ते सूखे के बीच जंगलों में आग फैलने की समस्या और गंभीर हो गई है। इस पूरे मामले में अल-नीनो की अहम भूमिका है। अल-नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में मौसम का सामान्य पैटर्न बदल जाता है। अल-नीनो प्रशांत महासागर के पानी के तापमान में होने वाला बदलाव है। इसका असर दुनिया के अलग-अलग देशों में खास और तापमान पर पड़ता है। जब किसी इलाके में लंबे समय तक बारिश नहीं होती और गर्मी बढ़ती है, तो पेड़-पौधे और जमीन सूखने लगते हैं। ऐसे में आग लगने पर उसे रोकना मुश्किल हो जाता है।

न्यूज़ ट्रेक

वैशाली नाब हदस्ता: राधोपुर के अंचल अधिकारी दीपक कुमार हटाए गए

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के राधोपुर के रामपुर स्थित गांव में नाब हदसे से 13 मासूम बच्चों की मौत के बाद जिला प्रशासन में हड़कौप मचा हुआ है। इस दर्दनाक हदसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में अंचल प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश था। ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बिम्बेस्यार अधिकारियों को हटाने की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी चर्चा सिंह ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। उन्होंने राधोपुर के अंचल अधिकारी दीपक कुमार को उनके पद से हटाकर जिला जन शिक्षाध्यक्ष कोषांग, वैशाली में प्रतिनियुक्त कर दिया है। वहीं, जिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राधोपुर के अंचल अधिकारी प्रभात को उनके वर्तमान कार्यों के साथ राधोपुर अंचल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

नाबालिग जुड़वा बेटियों से दुष्कर्म के आरोप में पिता गिरफ्तार

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में नाबालिग जुड़वा बेटियों से कथित दुष्कर्म के गंभीर मामले में पुलिस ने उनके पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट पर चिकित्सा विशेषज्ञों की अंतिम राय मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस मामले में महिला पुलिस थाना धर्मशाला में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वहीं, एक स्वयंसेवी संस्था ने शुरुआत में पुलिस की घटना के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने में देरी हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्चियों के साथ कथित दुष्कर्म की घटना 3 अक्टूबर को होने का आरोप है। चाइल्ड लाइन के माध्यम से मामला सामने आने के बाद 7 अक्टूबर को महिला पुलिस थाना धर्मशाला में प्राथमिकी दर्ज की गई।

पंजाब में नशे का विरोध करने पर माड़ी पन्नावां में युवक की हत्या

बटाळा। पंजाब में नशे का विरोध करने पर एक और युवक की हत्या का मामला सामने आया है। बटाळा बटाळा के श्री हरगोविंदपुर के माड़ी पन्नावां गांव में हुई। नशे का विरोध करने पर 40 साल के विक्रमजीत सिंह पर तेजधार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में दो अन्य गंभीर घायल हुए हैं। नशे का विरोध करने पर पंजाब में तीन दिन में दूसरी हत्या से सनसनी फैल गई है। इससे पहले मंगलवार को मानसा में नशे के खिलाफ बड़े स्तर पर सामाजिक मुहिम चलाने वाले मशहूर नशा विरोधी एक्टिविस्ट परमिंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस जानकारी के बाद नशे के विरोध में अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। मामले के मुख्य आरोपी मेडिकल स्टोर मालिक की पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है।

छतरपुर में रेप के मामले में गिरफ्तार करने पहुंची थी पुलिस

आरोपी ने पुलिस कांस्टेबल को काटा जांच में निकला एचआईवी पॉजिटिव

छतरपुर। ए.जे.सी

मध्यप्रदेश के छतरपुर में जब पुलिस रेप के आरोपी को पकड़ने गई, तब उसने उसने एक पुलिस कांस्टेबल के हथ पर काट लिया। इस घटना के बाद पुलिसकर्मी एक अजीब और विंताजनक स्थिति में आ गए। आरोपी का मेडिकल टेस्ट करने पर पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है। पुलिस कांस्टेबल को खून बहने के कारण तुरंत सागर के बुदिलखंड मेडिकल कॉलेज में इलाज और जांच के लिए भेज दिया गया। मध्यप्रदेश के छतरपुर में यह घटना बुधवार को बक्सवाहा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक आरोपी, जिसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी है, इलाके में छिपा हुआ है। गिरफ्तारी से बचने और भागने की कोशिश में, आरोपी ने पुलिस कांस्टेबल के हथ पर काट लिया। हालांकि, पुलिस ने उसे काबू कर लिया और गिरफ्तार कर लिया, जबकि घायल कांस्टेबल को तुरंत सागर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। एमसी रजत सकसेवा ने बताया कि अस्पताल भेजने से पहले कांस्टेबल के घाय पर प्राथमिक उपचार किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी के ब्लड टेस्ट से पुष्टि हुई है कि वह एचआईवी संक्रमित है।

बिहार: बेगूसराय में मचा हड़कौप मारपीट: भाजपा जिलाध्यक्ष और लोजपा नेता समेत चार घायल

बेगूसराय। ए.जे.सी

बिहार के बेगूसराय जिले के बखरी में मारपीट की एक घटना से इलाके में हड़कौप मचा गया। इस घटना में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा और लोजपा नेता अमिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए बखरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती करवाया गया है। घटना में एक शिक्षक पर शराब के नशे में मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, बखरी में हुई इस घटना में शिक्षक संजय सिंह पर शराब के नशे में धुत होकर मारपीट करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा और लोजपा नेता अमिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए।

विकास

सीमावर्ती गांवों की बदलेगी तस्वीर, स्थानीय लोगों के लिए खुल रहे रोजगार के अवसर

एलओसी के पास विकास का नया दौर: सड़कें होंगी पक्की

राजीव। ए.जे.सी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की तीर्थोप उपमंडल में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे सीरी ब्लॉक में विकास कार्यों की गति दी जा रही है। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सड़क संपर्क बेहतर बनाने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर काम किया जा रहा है। विभाग की ओर से गांवों में टाइल बिछाने, पक्के रास्तों का निर्माण, जमीन का समतलीकरण और सड़क संपर्क सुधारने जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी को दूर करना और लोगों की रोजगारी की जरूरतों को पूरा करना है। विकास कार्यों से ग्रामीणों को अपने गांवों में ही रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को दिखड़ी पर काम मिल रहा है। इससे उन्हें रोजगार की तलाश में अपने घरों और गांवों से दूर नहीं जाना पड़ रहा है। पहले कई लोगों को परिवार का खर्च चलाने के लिए दूसरे क्षेत्रों में काम तलाशना पड़ता था। इन परियोजनाओं से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बेहतर सड़क संपर्क से लोगों को जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी हो रही है। ग्रामीण विकास विभाग विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) सहित विभिन्न योजनाओं के तहत इन कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

खच्चर संचालकों के बीच मामूली विवाद में बिजनीर के एक युवक की मौत

कर्णप्रयाग (चमोली)। चमोली जिले के कर्णप्रयाग थाना क्षेत्र के सेमो गांव में घोड़े-खच्चर का संचालन करने वाले दो लोगों के बीच मामूली बात को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस हिंसक झड़प में उत्तर प्रदेश के बिजनीर निवासी 27 वर्षीय सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बृहस्पतिवार रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर कर्णप्रयाग चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और रैस्क्यू अभियान चलाकर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया।

हरियाणा: पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार, दो सगे भाइयों समेत 3 की मौत

कैथल (हरियाणा)। करनाल रोड पर शुगर मिल के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना गंभीर था कि कार सवार तीनों युवकों की जान चली गई। युवकों की पहचान खुर्ना रोड निवासी अभिषेक और रश्मि तथा कलायत निवासी कृष्ण के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा देर रात हुआ था, लेकिन इसकी सूचना पुलिस को शुक्रवार सुबह मिली। सुबह करीब पांच बजे सड़क पर घूमने निकले



एक राहगीर ने दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जांचा लिया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए सीएसपी रोहतारा भी मौके पर पहुंचे।

फर्जी टिकटों से विदेश जाने की कोशिश अमृतसर एयरपोर्ट पर पकड़े गए शारजाह जाने वाले 16 यात्री

अमृतसर। ए.जे.सी

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शारजाह जाने वाली उड़ान से सफर करने पहुंचे 16 यात्रियों की टिकटें फर्जी निकलीं। मामला सामने आने के बाद सभी यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि इन यात्रियों की टिकटें किसने तैयार की थीं और इन्हें उपस्थित करवाने में कौन-कौन शामिल था। जानकारी के मुताबिक, अमृतसर से शारजाह जाने वाली उड़ान में सवार होने से पहले यात्रियों की टिकटों की जांच की जा रही थी। इस दौरान 16 यात्रियों की टिकटें फर्जी पाई गईं। इसके बाद संबंधित एजेंसियों ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। एयरपोर्ट पर तैनात विभिन्न जांच एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि सभी 16 यात्रियों ने टिकटें कहाँ से ली थीं।

आपदा प्रबंधन को लेकर भी जागरूकता कार्यक्रम

इस बीच कुल्लुार को राजौरी में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने आपदा प्रबंधन और आपदाकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सरकारी स्नातकोत्तर कॉलेज के विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। एसडीआरएफ कर्मियों ने बाढ़ प्रबंधन, जीवन रक्षक तकनीकों और कार्डियोपल्मोनरी रिसिटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण दिया ताकि आपदा के समय लोग प्रभावी ढंग से मदद कर सकें।



यूएई शाही परिवार की बहू को रिहैब कैंप भेजा गया

कोकीन के नशे में बेहोश मिली थी, 3 साल के बच्चे को अकेला छोड़ दिया था

लंदन। यूएई के शाही परिवार से जुड़ी 32 साल की महराह अल नाहयान को लंदन में बच्चे की देखभाल में लापरवाही के मामले में सजा सुनाई गई है। उन्हें दो साल तक रिहैब कार्यक्रम में शामिल होना होगा। साथ ही करीब 7.7 लाख रुपये का जुर्माना भी भरना पड़ेगा।

यह मामला 13 जून का है। उस दिन महराह पश्चिमी लंदन की एक सड़क पर बेहोश मिली थीं। उनके पास उनका 3 साल का बच्चा बिना जूते पहने स्कूटर से खेल रहा था। बच्चा व्यस्त सड़क पर चल रही गाड़ियों के करीब था। कोर्ट में महराह ने माना कि उन्होंने कोकीन का इस्तेमाल किया था।

सड़क किनारे 30 मिनट तक बेहोश पड़ी रहीं

न्यूज ट्रेक

चारधाम यात्रा :59.08 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



● **हरिद्वार।** चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी आमद जारी है। वर्तमान यात्राकाल में अब तक 59,08,972 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। जबकि 72 लाख 45 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा सुचारू और सुर्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर लगातार उत्साह बना हुआ है। हरिद्वार भ्रमण के दौरान सतपाल महाराज ने बताया कि अब तक यमुनोत्री धाम में 8,26,965, गंगोत्री धाम में 9,29,664, केदारनाथ धाम में 17,29,170 और बदरीनाथ धाम में 20,32,477 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

जलगांव: सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

● **मुंबई।** महाराष्ट्र के जलगांव जिले के जामनेर तहसील में स्थित मालदाभाड़ी गांव के पास गुरुवार को ट्रक और दोपहिया वाहन के बीच हुई टक्कर में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में तीन बच्चे भी हैं। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा आज शाम करीब 4 बजे जामनेर तहसील के मालदाभाड़ी गांव के पास हुआ। घटनास्थल पर ट्रक और दोपहिया वाहन के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें दोपहिया वाहन पर सवार छह लोगों की जान चली गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के रहने वाले थे। इस घटना की सूचना मिलते ही जलगांव पुलिस मौके पर पहुंची है।

जेन जी आंदोलनों का फायदा उठा सकते हैं माओवादी

● **नागपुर।** देश में केंद्र सरकार के खिलाफ विभिन्न मुद्दों को लेकर किए जा रहे आंदोलनों और खासकर जेन जी यानी युवाओं में व्याप्त असंतोष का इस्तेमाल माओवादी संगठन अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करने की तैयारी में हैं? यह सवाल सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगे माओवादी संगठन के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच कथित गोपनीय पत्र से उठने लगा है। पत्र में किए गए कथित उल्लेखों से इस मामले ने महत्वपूर्ण और गंभीर रूप ले लिया है। महाराष्ट्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने ऐसा पत्र प्राप्त होने कि पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, माओवादियों के इंटरनेशनल सेल में सक्रिय कॉमरेड धीरज ने वरिष्ठ माओवादी पदाधिकारी कॉमरेड अजीत उर्फ के. मुरलीधरन को यह पत्र भेजा है। बताया जा रहा है कि पत्र में वाईवानों के साकेतिक नाम से उल्लिखित व्यक्ति द्वारा सरकार विरोधी आंदोलनों के लिए विशेष परनीति तैयार किए जाने का दावा किया गया है।

कोर्ट में बताया गया कि 13 जून को महराह लोहे की रेलिंग के सहारे बेहोश पड़ी थीं। उनके पास ही एक अन्य व्यक्ति भी बेहोश था। वहीं, उनका 3 साल का बच्चा अकेले खेल रहा था।

वहां से गुजर रहे लोगों ने बच्चे को अकेला देखा तो उसकी मदद के लिए आगे आए। उन्होंने पुलिस के पहुंचने तक बच्चे को अपने पास रखा। इस दौरान एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो भी बनाया था।

कोर्ट के मुताबिक, महराह करीब 30 मिनट तक बेहोश रहीं। होश आने पर उन्होंने लोगों से पूछा कि वे इतनी चिंता क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह कोई कल्लखाना नहीं है। आपको इतनी परवाह क्यों है? आप इतने परेशान क्यों हैं?"

पुलिस ने महराह के बैग की तलाशी ली। उसमें नशे के इस्तेमाल से जुड़ा सामान मिला, लेकिन कोई गैरकानूनी नशीला पदार्थ नहीं मिला।

वकील ने कहा- घटना वाले दिन नशा नहीं किया था

कोर्ट में बताया गया कि महराह ने बेहोश मिलने से पहले के कुछ दिनों में कोकीन ली थी। हालांकि, उनके वकील स्टीफन वुलो ने कहा कि उन्होंने घटना वाले दिन नशा नहीं किया था। वकील के मुताबिक, पिछले दिनों नशा करने के कारण वह बहुत थक गई थीं।

वकील ने कोर्ट को बताया कि महराह को अपनी गलती का पछतावा है और वह नशे की लत छोड़ना चाहती हैं। वह



तीन महीने का इलाज करा रही थीं, जो अक्टूबर के आखिर तक पूरा होना था। घटना के बाद से महराह सरे के वॉकिंग इलाके में प्रायरी क्लिनिक में नशे की लत का इलाज करा रही हैं। इलाज के बाद उनकी गिल्डफोर्ड इलाके में घर किराए पर लेने की योजना है। वहां वह दिन में इलाज कराएंगी और नशे की लत छोड़ने में मदद करने वाले समूह नारकोटिक्स एनॉनिमस की बैठकों में शामिल होंगी।

ब्रिटेन की संस्था कॉन्प्लिक्ट आमर्भिट की रिसर्च का खुलासा

चीन की मदद से मिसाइल बना रहे हूती विद्रोही

■ एजेन्सी, लंदन

ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोही उन्नत बैलिस्टिक मिसाइलों तैयार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन मिसाइलों को चीन के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। यमन के हूती विद्रोही चीन से मंगाए गए पुर्जों की मदद से नई बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटेन की संस्था कॉन्प्लिक्ट आमर्भिट रिसर्च (सीएआर) की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोही ईरान में डिजाइन हुई खैबर शिकन मिसाइल जैसी मिसाइल तैयार करना चाहते हैं, जिसकी मारक क्षमता करीब 1500 किलोमीटर है। अगर हूती ऐसा हथियार बनाने में सफल होते हैं, तो वे सऊदी अरब के अलावा इजराइल को भी ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकते हैं। रिपोर्ट तैयार करने वाली संस्था के वरिष्ठ विश्लेषक फैबियन हिंज के मुताबिक, हूती ईरान में डिजाइन की गई खास तरह की मिसाइल बनाने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन पुर्जों का इस्तेमाल आम नागरिक कामों में करना मुश्किल है। फेनोलिक रजिन नाम का पदार्थ भी था। इसका इस्तेमाल मिसाइल की गर्मी से बचाने वाली परत बनाने में होता है। तेज रफ्तार से उड़ते समय मिसाइल का बाहरी हिस्सा बहुत गर्म हो जाता है। यह परत उसे उस गर्मी से बचाती है। हूती करीब दो दशक पहले यमन में एक विद्रोही संगठन के तौर पर उभरे थे। शुरुआत में उनके पास यमन की सेना से हासिल सोवियत दौर के और उत्तर कोरिया में बने हथियार थे। समय के साथ उन्हें ज्यादा आधुनिक हथियार और तकनीक मिलने लगी।

नेपाल की खुल गई आंखें, चीन की राह छोड़ भारत के साथ काम करेंगे बालेन शाह

■ एजेन्सी, काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह नर्वंवर में भारत दौरे पर आएंगे। बालेन ने इसी साल मार्च में पीएम पद की शपथ ली थी और करीब आठ महीने बाद उनके दिल्ली आने की उम्मीद है। शाह के आगामी भारत दौरे के समय ऊर्जा क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और नेपाल से भारत को बिजली निर्यात के मुद्दे को प्राथमिकता देने के लिए ऊर्जा मंत्रालय ने एजेंडा तैयार करना शुरू कर दिया है। नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्री विराजभक्त श्रेष्ठ ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए भारत के साथ होने वाली बातचीत की तैयारी की जा रही है। मंत्री श्रेष्ठ के अनुसार पहले से आगे बढ़ाए जा रहे कुछ मुद्दों पर सचिव स्तर के तर्ज के माध्यम से काम हो रहा है। उन्होंने



बताया कि ऊर्जा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के बीच समन्वय करके दौरे के एजेंडे को अंतिम रूप दिया जाएगा। मंत्री श्रेष्ठ ने प्रधानमंत्री शाह के भारत दौरे के लिए ऊर्जा क्षेत्र के एजेंडे पर चल रही तैयारियों की जानकारी दी। मंत्री श्रेष्ठ ने बताया कि जून-जुलाई में पोखरा में नेपाल और भारत के ऊर्जा सचिवों की संयुक्त संचालन समिति की बैठक में नेपाल से 1,650 मेगावाट बिजली निर्यात करने पर बनी सहमति के अनुरूप आगे बढ़ने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री शाह के 23-25 नवंबर को भारत का दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान आंतरिक सहमति हो गई है। हालांकि, अभी दौरे की तारीख का औपचारिक घोषणा होना बाकी है। इन तारीखों पर यात्रा होने की संभावना को देखते हुए मंत्रालय ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े एजेंडे पर काम शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री शाह के भारत दौरे की चर्चा के बीच नेपाल की 750 मेगावाट की पश्चिम सेती और 450 मेगावाट की सेती नदी-6 जलविद्युत परियोजनाएं द्विपक्षीय वार्ता के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

पीएम मोदी और मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

बालेन शाह, पीएम नरेंद्र मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और कई वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते पर साइन होने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने शाह को उनके शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही भारत आने का निमंत्रण दिया था। इससे पहले शाह ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान न्यूयॉर्क की यात्रा की थी। अपने भाषण में उन्होंने नेपाल बाढ़ के दौरान भारत द्वार की गई मदद के लिए आभार जताया था।

राहत की उम्मीद

भारत पर 100% टैरिफ लगेगा या नहीं? ट्रंप करेंगे 10 दिन में फैसला

□ एजेंसी वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 100% टैरिफ लगाने को लेकर असमंजस जल्दी ही खत्म होने वाला है। जानकारी के अनुसार इस संस्पेस पर से 10 दिन में पर्दा उठा जाएगा। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को रूसी तेल खरीद के कारण भारत के खिलाफ लगाए गए 100% टैरिफ पर बात की। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में गोर ने कहा कि ट्रंप अगले 10 दिनों के भीतर प्रतिबंध प्रावधानों पर निर्णय ले सकते हैं। इसका असर भारत सहित रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर पड़ने के आसार हैं। इस साल 18 सितंबर को ट्रंप ने लिंडसे ओ ग्राहम सेंकशनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया। यह कानून रूसी कच्चे तेल/गैस के टॉप एनर्जी इंपोर्टर्स या उन देशों से आयात पर 100% तक टैरिफ को अधिकृत करता है जो प्रतिबंध-



चोरी की सुविधा देते हैं। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में गोर ने कहा, 'मेरा मानना ​​है कि उन्हें अगले 10 या उससे अधिक दिनों में एक हट्ट संकल्प करना होगा।' उन्होंने बताया कि ट्रंप ने अब तक कानून के तहत किसी भी देश पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

रांची

जज बोले- बच्चे की जान भी जा सकती थी

मंगलवार को लंदन के साउथवार्क क्राउन कोर्ट में महराह ने बच्चे की देखभाल में लापरवाही करने का जुर्म कबूल किया। जज जेरेमी जॉनसन ने कहा कि जब महराह बेहोश थीं, तब बच्चे की जान को खतरा था।

जज के मुताबिक, बच्चा सड़क पर भटक सकता था, खो सकता था या कोई अनजान व्यक्ति उसे नुकसान पहुंचा सकता था। इस घटना से बच्चा डर भी सकता था।

जज ने कहा कि नशे के असर में बच्चे को सड़क पर नंगे पैर अकेला छोड़ना उसकी सुरक्षा के प्रति लापरवाही थी।

ध्रु के शाही परिवार से जुड़ी हैं महराह 32 साल की महराह अल नाहयान शादी के जरिए अबू धाबी के शासक परिवार अल नाहयान से जुड़ी हैं। हालांकि, सार्वजनिक रिपोर्टों में उनके पति का नाम और शाही परिवार में उनका सटीक रिश्ता स्पष्ट नहीं किया गया है।

रूस में 7 तीव्रता का भूकंप,जापान में 9.9 का अलर्ट

कामचटका। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें किसी के हाताहत होने की जानकारी नहीं है। इसके कुछ देर बाद जापान की मौसम एजेंसी ने गलती से 9.9 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी जारी कर दी। इससे देशभर में अफरातफरी मच गई। हालांकि, एजेंसी ने करीब 12 मिनट बाद अलर्ट वापस ले लिया। जापान की मौसम एजेंसी ने इस गलती के लिए माफी मांगी है।

जापान के भूकंप अलर्ट में इतनी बड़ी गलती कैसे हुई?

जापान की भूकंप चेतावनी प्रणाली जमीन पर लगे सेंसर से मिले शुरुआती आंकड़ों के आधार पर भूकंप की तीव्रता और उसके असर का अनुमान लगाती है। यह काम कुछ ही समय में किया जाता है। शुरुआत में आंकड़े अधूरे होने के कारण अनुमान गलत हो सकता है। लेकिन इस बार 9.9 तीव्रता का अलर्ट जारी करना बड़ी चूक थी। इतनी तीव्रता का भूकंप अब तक दर्ज नहीं किया गया है। जापान की मौसम एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता का जबरूत से ज्यादा अनुमान लगाने के कारण गलत चेतावनी जारी हुई थी। एजेंसी अब इसकी वजह की जांच कर रही है। शुरुआती आंकड़े अधूरे होने, भूकंप का निगरानी केंद्रों से दूर आने या आसपास एक साथ कई भूकंप आने से अनुमान प्रभावित हो सकता है।

वायु सेना के लिए 2,563 करोड़ रुपये से खरीदे जाएंगे संचार उपग्रह

● **रक्षा मंत्रालय ने टॉरपीडो वरुणास्त्र के लिए 1,543 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए**

□ **एजेंसी रस**

वायु सेना और नौसेना के लिए 4,106 करोड़ रुपये से संचार उपग्रह जीसेट-7सी और भारी वजन वाले टॉरपीडो वरुणास्त्र खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसके लिए दो कंपनियों के साथ अनुबंध किये हैं। स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित यह उपग्रह वायु सेना के संसाधनों की सुरक्षित, सुदृढ़ और निबांध संचार क्षमताओं को बढ़ाएगा। इससे उसकी परिचालन क्षमता मजबूत होगी। इसी तरह टॉरपीडो वरुणास्त्र से नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी। रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना के लिए समर्पित संचार उपग्रह जीसेट-7सी की खरीद के लिए आज बेंगलुरु

की कंपनी न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है। जीसेट-7सी के लिए यह अनुबंध 2,563 करोड़ रुपये में किया गया है, जबकि नौसेना के लिए भारी वजन वाले टॉरपीडो वरुणास्त्र 1,543 करोड़ रुपये में है।दराबाद स्थित भारत डायनामिक्स लिमिटेड से खरीदे जाएंगे। नौसेना के विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में विकसित वरुणास्त्र पोत से प्रक्षेपित की जाने वाली पनडुब्बी रोधी स्वदेशी टॉरपीडो है। यह उन्नत दिशा परिवर्तन क्षमताओं से लैस है और लंबी दूरी से दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है। इससे नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन अनुबंधों पर आज नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय के रक्षा अधिग्रहण विभाग के अपर सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अब्बासु की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

एल.मुरुगन का केद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर डॉ. एल. मुरुगन का केद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत डॉ. मुरगन का इस्तीफा स्वीकार किया गया है। उल्लेखनीय है कि सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 13 अक्टूबर को मंत्रिपरिषद और राज्यसभा से इस्तीफे की घोषणा की थी। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा था। इसे उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया था।

न्यूज़ ट्रेक

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि है। इस तिथि पर देवी दुर्गा के पांचवें स्वरूप की पूजा होती है। इस तिथि पर ज्येष्ठ नक्षत्र और शोभन योग का विशेष संयोग बन रहा है।

तिथि-षष्ठी -29:54 तक
नक्षत्र-ज्येष्ठ -06:47 तक
प्रथम करण-कौलव-16:38 तक
द्वितीय करण -तैतिल -29:54 तक
पक्ष-शुक्ल
वार-शुक्रवार-योग-शोभन
22:04तक
सूर्योदय-06:23
सूर्यास्त-17:49
चंद्रमा-धनु राशि में
राहुकाल-10:40-12:06
विक्रमी संवत-2083
शक संवत-1948-पराभव
मास-आश्विन
शुभ मुहूर्त-अभिजीत
11:43-12:29

राशिफल

मेघ:आज मन किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर दुविधा में रह सकता है।

वृष:आज मन किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर दुविधा में रह सकता है।

मिथुन:आज सावधानी और संतुलन बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा।

कर्क:आज पिताजी के साथ किसी विषय को लेकर मतभेद हो सकता है।

सिंह:आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित हो सकता है।

कन्या:विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है।

तुला:आज कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपकी मुलाकात भविष्य की दिशा में नया रास्ता खोल सकती है।

वृश्चिक:दिन सामान्य नजर आ सकता है, लेकिन इसके भीतर कई महत्वपूर्ण संकेत छिपे हुए हैं।

धनु:आज बीती गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने का दिन है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके काम में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर:आज आपकी मेहनत, लगन और समर्पण आपको कार्यक्षेत्र में अलग पहचान दिला सकते हैं।

कुंभ:आज खर्च आपकी उम्मीद से कुछ अधिक हो सकते हैं, इसलिए बजट पर विशेष नजर रखना जरूरी होगा।

मीन:आज हर काम में सोच-समझकर आगे बढ़ना आपके लिए जरूरी रहेगा।

दिवाली से पहले शेयर बाजार में बंपर उछाल, सेंसेक्स 1534 अंक चढ़ा, निफ्टी 22,997 के पार



■ एजेन्सी, नई दिल्ली

दिवाली से पहले घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को बंपर उछाल देखने को मिला। बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,533.72 अंक यानी 2.11 फीसदी उछलकर 74,315.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 374.65 अंक यानी 1.66 अंक चढ़कर 22,997.35 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान बैंकों एवं अन्य कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों और टेकएम् के शेयरों में पांच फीसदी की जोरदार वृद्धि

युवाओं से भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नेतृत्व करने का आह्वान

प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलने के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौता होगा लागू : गोयल

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अंतिम चरण में है। हालांकि, यह समझौता तब तक लागू नहीं हो सकता, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों पर शुल्क में लाभ न मिले। उन्होंने इंडिया ग्लोबल फोरम के यूके-इंडिया वीक कार्यक्रम में यह बात कही। गोयल ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

मंत्री ने इस सप्ताह नई दिल्ली में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर के साथ दो दिवसीय वार्ता की थी। यह वार्ता भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर केंद्रित थी। वाणिज्य मंत्रालय के बयान में 24 जुलाई को समाप्त हो रहे 10 फीसदी अस्थायी शुल्क से पहले सभी मतभेदों के सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला। गोयल ने स्पष्ट किया कि मुक्त व्यापार समझौते का मूल उद्देश्य बाजार पहुंच में प्रतिस्पर्धी देशों पर तुलनात्मक लाभ प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि जब तक यह प्रतिस्पर्धी लाभ सुनिश्चित करने का दांचा अंतिम रूप नहीं लेता, अमेरिका के साथ समझौता लागू नहीं हो सकता। अमेरिका को ऐसे कानूनी उपकरण और समर्थन खोजना होगा जो भारत को यह बढ़त दे सकें। समझौते का दांचा इस साल छह फरवरी को अंतिम रूप दिया गया था। तब से दोनों टीमें बारीकियों को अंतिम रूप देने पर काम कर रही हैं।

क्या है प्रतिस्पर्धी शुल्क लाभ की चुनौती

समझौते के पहले चरण के दांचे को अंतिम रूप दिए जाने पर भारत को आसियान देशों, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धियों पर लाभ था। तब अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 18 फीसदी शुल्क की घोषणा की थी। उस समय भारत



के प्रतिस्पर्धी देशों पर शुल्क 19 से 20 फीसदी के बीच था। लेकिन अब सभी देशों को समान 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। गोयल ने बताया कि यह समझौता भारत पर 50 फीसदी शुल्क को घटाकर 18 फीसदी करने के लिए किया गया था। इस बदलाव ने भारत के लिए समझौते को आकर्षक बनाया था।

समझौते में देरी क्यों हो रही है

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 3 जून को मुंबई में कहा था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता 99 फीसदी पूरा हो चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि शेष 1 फीसदी मुद्दों को अगले कुछ हफ्तों में सुलझा लिया जाएगा।

गोयल ने बताया कि जब भारत ने अमेरिका के साथ समझौता अंतिम रूप दिया था, तब अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत शुल्क लागू थे। अब बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थायी 10 फीसदी

अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के लिए आरबीआई रेगा बढ़ा बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के वित्तीय बाजार को और अधिक मजबूत तथा पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार, 25 जून 2026 को केन्द्रीय बैंक ने मनी मार्केट (मुद्रा बाजार) में तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाने और सरकारी प्रतिभूतियों के लेनदेन नियमों को आसान बनाने के लिए दो नए ड्राफ्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मनी मार्केट को लेकर रिजर्व बैंक का नया प्रस्ताव क्या है

रिजर्व बैंक ने 'टर्म मनी मार्केट' सेगमेंट में बाजार की गहराई, लिक्विडिटी और भागीदारी को और अधिक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत बाजार में प्रतिभागियों के आधार का भी विस्तार किया जाएगा। इस बड़े बदलाव को लागू करने के लिए आरबीआई ने 'ड्राफ्ट मास्टर डायरेक्शन - रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (कॉल, नोटिस और टर्म मनी मार्केट) डायरेक्शंस, 2026' का मसौदा पेश किया है।

शुल्क व्यवस्था की पृष्ठभूमि में हो रही है। यह व्यवस्था एक महीने में यानी 24 जुलाई को समाप्त होने वाली है।

भारत को अब क्या चाहिए

गोयल ने कहा कि पूरा समझौता उस प्रतिस्पर्धी लाभ पर केंद्रित था जो भारत को 18 फीसदी शुल्क के साथ पड़ोसी और प्रतिस्पर्धी देशों पर मिला था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप के व्यापक शुल्कों को रद्द करने और 24 जुलाई को अतिरिक्त अस्थायी शुल्क समाप्त होने के बाद, भारत को समझौते को लागू करने का कोई ठोस कारण चाहिए।

रांची

आईएमएफ ने भारत की संशोधित जीडीपी गणना पद्धति का किया समर्थन

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था की गणना पद्धति का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने समर्थन किया है। आईएमएफ ने शुक्रवार को कहा कि भारत का संशाधित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) गणना की पद्धति सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है और आईएमएफ की सलाह से पूरी तरह मेल खाती है। आईएमएफ के एशिया एवं प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने बैंकॉक में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद के आधार वर्ष में संशोधन 'स्वागत योग्य कदम' है। उन्होंने कहा कि भारत ने जीडीपी

एआई से जुड़े शेयरों में बिकवाली के कारण देखने को मिली। चूँकि कुछ एआई से जुड़े शेयरों पर बिकवाली का दबाव था, इसलिए निवेशकों की दिलचस्पी पारंपरिक आईटी कंपनियों में बढ़ गई, जिससे आईटी सेक्टर भी हरे निशान पर बंद हुआ।

बुधवार को बीएसई का सेंसेक्स 251.89 अंकों यानी 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 72,781.89 के स्तर पर और एनएसई का निफ्टी 99.25 अंक यानी 0.44 फीसदी टूटकर 22,622.70 अंकों पर बंद हुआ था।

आईएमएफ ने भारत की संशोधित जीडीपी गणना पद्धति का किया समर्थन

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था की गणना पद्धति का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने समर्थन किया है। आईएमएफ ने शुक्रवार को कहा कि भारत का संशाधित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) गणना की पद्धति सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है और आईएमएफ की सलाह से पूरी तरह मेल खाती है। आईएमएफ के एशिया एवं प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने बैंकॉक में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद के आधार वर्ष में संशोधन 'स्वागत योग्य कदम' है। उन्होंने कहा कि भारत ने जीडीपी



गणना पद्धति में संशोधनों को समझाने के लिए एक टिप्पणी भी जारी की है। श्रीनिवासन ने कहा कि जीडीपी के आंकड़ों के लिहाज से भारत ने जो किया है, वह अच्छी प्रथाओं के अनुरूप है। इसमें सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है, लेकिन जीडीपी के आंकड़ों को बेहतर बनाने के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से किए गए अच्छे काम को भी स्वीकार करना चाहिए।

गोदरेज प्रोफेशनल ने लॉन्च किया मैजेस्ते हेयर कलर कलेक्शन

700 से अधिक सैलून प्रोफेशनल्स को दी ट्रेनिंग

■ एजेन्सी, मुंबई

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के हेयर केयर, कलर, स्टाइलिंग और ट्रीटमेंट ब्रांड 'गोदरेज प्रोफेशनल' ने अपना नया हेयर कलर कलेक्शन 'मैजेस्ते' लॉन्च किया है। गोदरेज प्रोफेशनल की नो-अमोनिया कलर रेंज 'डायमेशन' पर आधारित है, जो चमकदार ऐसे समय में पेश किया गया है, जब ल्योहारी सीजन के चलते सैलून में ग्राहकों की भीड़ सबसे ज्यादा होती है।

शाही विरासत और कीमती रबों की चमक से प्रेरित 'मैजेस्ते' का विचार ऐसे रंगों पर आधारित है जो रॉयल, भव्य, प्रभावशाली और खूबसूरत हों।

यह हेयर स्टाइलिस्टों को तीन अलग-अलग शेड्स के जरिए एक नया और बेहतरीन अनुभव देने का मौका देता है: प्लॉरेंस गोल्ड यह ब्राउन-गोल्ड टोन गहराई और चमकदार रिफ्लेक्शन के साथ सादगी भरी खूबसूरती पेश करता है, जो बालों को एक सहज और प्रीमियम फिनिश देता है।

टेस्ला ने उड़ने वाली कार दिखाई

हवा में पलटी और फिर जमीन पर लैंड हुई; 1 सेकेंड से भी कम में 97 किमी की रफ्तार पकड़ेंगी

इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने आज 16 अक्टूबर को उड़ने वाली कार दिखाई। डेमो के दौरान, रोडस्टर सेकेंड जन्मरेशन कार एक बड़े घुमावदार रैंप पर ऊपर की ओर बढ़ी और उल्टी हो गई। इसके बाद ये रैंप से हवा में उड़ी, हवा में ही पलटी और जमीन पर सुरक्षित लैंड कर गई। इस कार में रॉकेट में इस्तेमाल होने वाले थ्रस्टर्स लगे हैं। इनकी मदद से ये कार उल्टी होकर चल सकती है और हवा में घूम भी सकती है। ये कार केवल 0.81 सेकेंड में 97 किमी प्रति घंटे की रफ्तार भी पकड़ सकती है। कार का प्रोडक्शन 2028 में शुरू होगा।

मस्क बोले- ये स्पेसएक्स के इंजीनियर्स का कमाल

सफल लैंडिंग के बाद मस्क ने कहा- चलिए, यह काम कर गया। मस्क ने इस कार को टेस्ला और स्पेसएक्स के इंजीनियरों के साथ मिलकर किए गए काम का नतीजा बताया।

मस्क ने बताया कि कार खुद को ऊपर उठाने के लिए एक एडवांस्ड अल्ट्रा-हाई प्रेशर एयर टैंक का इस्तेमाल करती है। कार में हवा में कंट्रोल के लिए एल्टीट्यूड थ्रस्टर्स और पीछे की तरफ मेन थ्रस्टर्स हैं। यह बिल्कुल रॉकेट की तरह उड़ सकती है और हवा में कलाबाजियां खा सकती है।

‘कार इस पर डिपेंड करेगी कि आपकी सड़क कैसी’

इवेंट में जब एक दर्शक ने पूछा कि क्या यह कार आम सड़कों पर चलाने के लायक है, तो मस्क ने मजाकिया अंदाज में कहा, “यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी सड़क कैसी है।” हालांकि, उन्होंने तुरंत साफ किया कि यह इस्तेमाल करने में एक प्रैक्टिकल कार



ही होगी। मस्क ने यह भी बताया कि रोडस्टर टेस्ला की इकलौती ऐसी कार होगी जिसे सिर्फ मैनुअली चलाया जा सकेगा। इसे बहुत ज्यादा सेफ्टी को ध्यान में रखकर डिजाइन नहीं किया गया है।

2028 से शुरू होगा प्रोडक्शन

मस्क ने बताया कि रोडस्टर का प्रोडक्शन साल 2028 में शुरू होगा। कार को बुक करने के लिए कुल 50 हजार डॉलर यानी करीब 748 लाख का डिपॉजिट देना होगा। वेबसाइट के मुताबिक, यह पूरा पैसा 100ब रिफंडेबल है।

रफ्तार पकड़ने में दुनिया में सबसे आगे होगी रोडस्टर

टेस्ला की नई %रोडस्टर% फिलहाल एक डेमो/प्रोटोटाइप कार है और इसका उत्पादन 2028 से शुरू होगा। अगर इसके दावों की बात करें तो रफ्तार के दो अलग-अलग पैमाने हैं-

1. पिकअप- 0 से 60 मील यानी, 97 किमी/घंटे की रफ्तार पकड़ने के मामले में इस कार ने डेमो के दौरान महज 0.81 सेकंड का समय दर्ज किया है। अगर 2028 में यह कार

इसी क्षमता के साथ बाजार में उतरती है, तो यह दुनिया की सबसे तेज पिकअप वाली कार बन जाएगी।फिलहाल यह रिकॉर्ड क्रोएशियाई इलेक्ट्रिक हाइपरकार रियेक नेवेरा आर के नाम है। इसने 1.66 सेकंड में 0-60 मील प्रति घंटा का आंकड़ा दर्ज किया है।

2. टॉप स्पीड- इस मामले में फिलहाल यह दुनिया की सबसे तेज कार नहीं है। टेस्ला का दावा 230 मील प्रति घंटे यानी करीब 370 किमी/घंटे से अधिक रफ्तार का है। जबकि यांगवांग 9 एक्सट्रीम 308 मील/घंटे यानी करीब 496 किमी/ घंटे जैसी गाड़ियां इससे कहीं आगे हैं।हालांकि मस्क का कहना है कि वे इस पर लगातार काम कर रहे हैं और फाइनल प्रोडक्शन कार में मैक 0.5 यानी लगभग 617 ब्रह्म/द्ध का लक्ष्य हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। ये अभी के शुरुआती टेस्ट/प्रोटोटाइप मॉडल से कहीं ज्यादा तेज होगी।

क्या होती है कोल्ड-गैस थ्रस्टर टेक्नोलॉजी

यह वही टेक्नोलॉजी है जिसका इस्तेमाल अंतरिक्ष में रॉकेट और सैटेलाइट्स की दिशा बदलने के लिए किया जाता है। कंप्रेस्ड एयर/गैस को हाई प्रेशर के साथ बाहर

निकालकर गाड़ी को अतिरिक्त धक्का या लिफ्ट दिया जाता है।

2017 से बार-बार टली टेस्ला रोडस्टर की लॉन्चिंग

टेस्ला ने अपनी सेकेंड जन्मरेशन रोडस्टर को पहली बार नवंबर 2017 में दिखाया था। हालांकि, इसके बाद इसकी लॉन्चिंग और प्रोडक्शन की तारीख कई बार टलती रही।

शुरुआत थी कि यह कार 2020 तक सड़कों पर आ जाएगी, लेकिन डिजाइन और मैनुफैक्चरिंग की चुनौतियों के कारण इसमें करीब 8 साल की देरी हो चुकी है।

सैम आल्टमैन और मस्क के बीच बहस हो चुकी

कार की लॉन्चिंग में देरी को लेकर बोते साल इलॉन मस्क और ओपनएआई के ए़ष्ठह सैम आल्टमैन के बीच बहस भी हुई थी। आल्टमैन ने झू पर लिखा था कि 50 हजार डॉलर की बुकिंग फीस देने के बाद 7.5 साल का इंतजार बहुत लंबा लगता है।

इस पर जवाब देते हुए मस्क ने दावा किया था कि आल्टमैन को उनकी बुकिंग फीस पहले ही रिफंड की जा चुकी है।

रोडस्टर टेस्ला की पहली कार

टेस्ला ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ओरिजनल रोडस्टर साल 2008 में कैलिफोर्निया में लॉन्च की थी। यह कार ब्रिटेन की स्पॉर्ट्स कार कंपनी लोटस एलीस के चेसिस पर बनी थी, लेकिन मस्क ने इसमें पेट्रोल इंजन की जगह ऑल-इलेक्ट्रिक इंजन लगाया था।

पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 5 गुना बढ़ी, 2.50 हुई



नई दिल्ली	कोशिश
कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर 5 गुना टैक्स बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले लेवी को लगभग आधा कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने देश में फ्यूल की कमी न हो इसलिए नई दरें आज यानी 16 अक्टूबर से लागू कर दी हैं।	भारत सरकार हर 15 दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल अरिफाइंड प्रोडक्ट्स के दामों की समीक्षा करती है। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी तनाव के कारण वरूड की कीमतें बढ़ी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रिफाइनरी कंपनियां ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में देश का तेल विदेशों में न बेचने लगें, इसे रोकने और घरेलू ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स घटाया-बढ़ाया जाता है।
आम जनता की जेब पर नहीं पड़ेगा कोई असर	अमेरिका द्वारा शिपिंग लागत घटाने के लिए तेल टैंकरों पर से कुछ प्रतिबंध हटाने पर विचार करने और इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (दृध्ध) द्वारा इमरजेंसी स्टॉक जारी करने के संकेतों के बाद कच्चे तेल के दामों में मामूली गिरावट आई है। रिपोटों के अनुसार, ट्रम्प प्रशासन ईरान, रूस

घरेलू बाजार में तेल की किफ़्तुत रोकने की



थलापति विजय जहां भी जाते हैं लोग इकट्ठा हो जाते हैं, बाहर शूटिंग करना मुश्किल होता है

थलापति विजय की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है, क्योंकि वह राजनीति में कदम रखने की योजना बना रहे हैं।

बाँबी ने की विजय की तारीफ

बातचीत के दौरान, बाँबी देओल ने बताया कि थलापति विजय बहुत बड़े स्टार हैं। उनकी लोकप्रियता के कारण बाहर शूटिंग करना



मुश्किल होता है, क्योंकि लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। इसलिए फिल्म की शूटिंग ज्यादातर स्टूडियो में हो रही है।

साउथ फिल्मों को लेकर बाँबी की राय

बाँबी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने पिछले अनुभव भी साझा किए। उन्होंने नंदमुरी बालकृष्ण (एनबीके) के साथ काम करने को शानदार बताया और कहा कि वह जनता के स्टार हैं। साथ ही, उन्होंने सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में काम करने की बात की, जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। बाँबी ने कहा कि सूर्या बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन रिफ्ट में कमी रह गई।

जन नायकन के बारे में

जन नायकन एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। इसमें विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक बड़ी राजनीतिक लड़ाई में उलझता है। फिल्म में थलापति विजय के अलावा बाँबी देओल, पूजा हेगड़े, प्रकाश राज, प्रियामणि और ममिता बैजू जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ममिता बैजू ने दिया है।



जॉन अब्राहम ने मोहित सूरी को दिया सैयारा की सक्सेस का श्रेय

अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसमें नीरू बाजवा और मानुषी खिल्लर भी अहम रोल में हैं। सिनेमाघरों में इन दिनों सैयारा का जलवा है। यशराज फिल्म के बैनर तले बनी इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पट्टा नजर आए हैं। फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस पर जॉन अब्राहम ने रिएक्शन दिया है।

मोहित सूरी को दिया पूरा क्रेडिट

जॉन अब्राहम ने हाल ही में सैयारा की अपार सफलता पर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि फिल्म इतना उम्दा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म की इस जबर्दस्त सफलता का श्रेय वे फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी को देना चाहेंगे। जॉन के अनुसार, मोहित सूरी ने फिल्म के लिए पूरी मेहनत की है। मोहित सूरी की तारीफ करते हुए जॉन ने कहा कि एक व्यक्ति के रूप में मोहित शानदार हैं। जॉन ने निर्देशक को डार्लिंग कहते हुए आगे कहा, सभी ने कहा कि वे उनकी सफलता का जश्न मना रहे हैं। मेरी तरफ से उन्हें सलाम। जॉन ने आगे कहा कि फिल्म में दो नए कलाकारों के साथ एक फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने का सबसे बड़ा श्रेय आदित्य चोपड़ा को जाता है।



रिश्ते में उम्र के अंतर पर बोलीं फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख अपनी दो फिल्मों आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों को लेकर चर्चा में रही हैं। फिल्म आप जैसा कोई मैं उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो अपने से बड़े उम्र के व्यक्ति के साथ प्यार में पड़ जाती हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि किसी भी रिश्ते में उम्र कोई दिक्कत नहीं है।

संवेदनाएं एक जैसी होनी चाहिए

उम्र के मामले पर बोलते हुए फातिमा सना शेख ने बातचीत में कहा अगर रिश्ते में दोनों की भावनाएं मेल खाती हैं तो इससे फर्क नहीं पड़ता है कि कोई लड़का मुझसे 10 साल बड़ा है। भावनाओं का स्तर एक जैसा होना चाहिए। उम्र में फर्क वाली चीज तो सदियों से होती आ रही है।

फातिमा ने अपने आपको बताया खुशकिस्मत

फातिमा सना शेख ने रहना है तेरे दिल में के अभिनेता आर माधवन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया मैं बहुत खुशकिस्मत हूँ। मैं लोगों से बताती हूँ कि मुझे एक ऐसा किरदार मिला जिसमें मैं उनके साथ रोमांस कर रही हूँ। हालांकि फिल्म में बहुत सही तरीके से रोमांस कर रही थी क्योंकि यह अच्छी तरह लिखा गया था। हमारी केमिस्ट्री एकदम प्राकृतिक थी।

मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु-प्रतीक्षित फिल्म बाघी 4 का टीजर रिलीज होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीजर में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। रोमांटिक एंटी की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हार्ड-ऑक्टन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड़िया हिला देने वाले हैड-टू-हेड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निजा-स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फिल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। टीजर में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी दमदार केमिस्ट्री और संजय दत्त के विलेन अवतार के बीच हरनाज़ की मौजूदगी देखने लायक है।

निर्देशक जैसे हैं आर माधवन

फातिमा सना शेख ने आर माधवन के बारे में आगे कहा वह एक कबिल अभिनेता हैं। वह अपने आप में एक निर्देशक भी हैं। जब भी मैंने फिल्म में कुछ न करने का कारण दिया, तो उन्होंने मेरा उत्साह बढ़ाया। फिल्म में दोनों के अभिनय की सराहना की गई है। फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसमें फातिमा सना शेख और आर माधवन ने मुख्य किरदार निभाया है। विवेक सोनी ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में एक अध्यापक के बारे में दिखाया गया है जो बड़ी उम्र के होते हैं और उनकी शादी नहीं होती। इसी तरह से एक लड़की की भी शादी नहीं होती है। दोनों किसी तरह मिलते हैं और दोनों में प्यार हो जाता है। फिल्म दोनों के रिश्ते के आस-पास घूमती है।



सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहती हैं श्रुति हासन

साउथ के चर्चित एक्टर कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा है, 'कई बार मन होता है कि सबको छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करूँ। लेकिन फिर मन में आवाज उठती है, खुद पर भरोसा रखो और डूटे रहो।' इस पोस्ट को एक वीडियो के साथ श्रुति हासन ने शेयर किया, जिसमें वह फाइट सीन्स कर रही हैं। श्रुति के फैन पेज ने पहले यह वीडियो साझा किया था, जिसे श्रुति ने भी पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर यूजर्स ने, श्रुति के फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस को जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। यूजर्स ने क्या दी श्रुति हासन को सलाह यूजर्स ने श्रुति हासन की पोस्ट पर ही कमेंट करके उन्हें जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। एक यूजर लिखता है, 'श्रुति, आपके मन में उठ रहे दर्द का अहसास हमें भी है। लेकिन उस आवाज पर भरोसा करें, जो आपको जिंदगी में डूटे रहने के लिए कहती है। यही प्यार है, इससे ही आप हीलिंग की तरफ आगे बढ़ेंगी। आप जितना दिख रही हैं, उससे कहीं

ज्यादा मजबूत हैं। आपकी खूबसूरत, जिंदगी की कहानी के कई चैप्टर अभी लिखे जाने बाकी हैं। इसलिए इंतजार ना करें। आज ही आगे बढ़ने का एक कदम उठाएं।' एक अन्य यूजर ने श्रुति को पहाड़ों पर जाकर वक्त गुजारने की सलाह दी। वह कहता है, 'नई शुरुआत करें। पहाड़ों पर जाएं। धीरे-धीरे जिएं, भीड़-भाड़ से दूर रहें। अपनी सोल (आत्मा) के लिए आप इससे ज्यादा खूबसूरत काम कुछ नहीं कर सकते हैं।' कुछ यूजर्स ने श्रुति के जैसा ही महसूस करने की बात भी कही है।

फिल्म 'कुली' में निभाएंगी अहम किरदार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' 14 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें रजनीकांत लीड रोल में हैं। वहीं श्रुति हासन का रोल भी काफी अहम है। फिल्म के ट्रेलर में श्रुति की झलक, अभिनय दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म के अलावा श्रुति हासन फिल्म 'सालार 2' में साउथ एक्टर प्रभास के साथ भी नजर आएंगी।



‘बागी-4’ का टीजर आउट इस बार कहानी के विलेन और हीरो भी हैं टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'बागी-4' का इंतजार लंबे समय से था। इसका टीजर रिलीज कर दिया गया। इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर से रॉनी के रोल में वापसी कर रहे हैं, मगर इस बार उनका किरदार काफी उग्र होने जा रहा है। उनके किरदार में गुस्से और बदले की भावना देखने के लिए मिलेगी, जिससे यह पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। इसके टीजर में एक ऐसे आंशिक की कहानी है, जो बदला लेने के लिए निकला है। उसका सामना होता है संजय दत्त के किरदार से, जो देखने में उनसे भी हिंसक और खूंखार लग रहा है। टीजर में काफी हिंसा और खून-खराबा दिख रहा है। टीजर को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रिलीज किया है। इसके केप्शन में लिखा है, बचने का कोई रास्ता नहीं। कोई रहम नहीं। खुद को संभालो, एक खुनी, हिंसक प्रेम कहानी शुरू होती है। फिल्म में दो एक्ट्रेस भी हैं जो फरसे और चाकू चलाती दिख रही हैं। पहली हैं सोनम बाजवा, जो इस फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाते हुए

दमदार रोल में दिखाई देंगी। उन्हें भी एक्शन सीन करते देखा जा रहा है। ये दिखाता है कि वे ग्लैमर के साथ ही मारधाड़ करने में भी माहिर हैं। हाउसफुल-5 के बाद साजिद नाडियाडवाला के साथ ये उनकी दूसरी फिल्म है। बागी-4 में इस बार साजिद नाडियाडवाला मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू को लेकर आए हैं। फिल्म की वो दूसरी लीड एक्ट्रेस हैं, और वे इसमें बहुत ही खूंखार नजर आने वाली हैं। टीजर में उन्हें भी वायलेंस करते हुए देखा जा सकता है। सबसे चौकाने वाला किरदार होगा संजय दत्त का, जो इस फिल्म में बहुत ही खतरनाक लगे हैं। एक ऐसा विलेन जो शांत और पागल दोनों हैं। उन्हें देखकर एनिमल के बाँबी देओल की याद आ जाती है। कहा जा रहा है कि आपने उन्हें इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा होगा। टीजर में उनकी परफॉर्मेंस भी रंगते खड़े कर देने वाली दिख रही है। इसकी स्टोरी और स्क्रीनप्ले साजिद नाडियाडवाला ने लिखा है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। बागी 4 जबर्दस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी।



मुझे राजनीति में दिलचस्पी नहीं, पर अगर पावर मिला तो इंडस्ट्री का स्टार सिस्टम बदल दूंगी

बॉलीवुड में अपने तीन दशक लंबे शानदार सफर में देन टू पाकिस्तान से लेकर स्पेशल 26, दिल्ली 6, भाग मिलेखा भाग जैसी कई यादगार फिल्में करने वाली नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने पहली बार तेलुगु सिनेमा की ओर रुख किया है। इन दिनों वह अपनी तेलुगु सीरीज मायासभा को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में एक नेता की भूमिका निभा रही दिव्या से खास बातचीत

हिंदी फिल्मों में तीस साल के शानदार सफर के बाद तेलुगु सिनेमा की ओर रुख करने का ख्याल कैसे आया? वैसे, इन दिनों पैन इंडिया सिनेमा का दौर चल रहा है। इस बदलाव को कैसे देखती हैं?

असल में, मैं बहुत समय से चाह रही थी कि तेलुगु में कुछ काम करूं। जब मैं शुरू-शुरू में आई थी, तब मुझे तेलुगु फिल्मों के बहुत ऑफर आते थे पर किसी न किसी वजह से मैं वह नहीं कर पाई, मगर

मन में यह रह गया कि तेलुगु सिनेमा तो जरूर करना है। इसलिए, जब मायासभा का ऑफर आया, जिसमें बेहतरीन कहानी, बहुत उम्दा किरदार, अच्छा डायरेक्टर, सब मिश्रण मिला तो मैंने हां कर दिया, क्योंकि अगर मैं इतने सालों बाद कुछ नया कर रही हूँ तो वह उस लायक होना चाहिए। रही बात पैन इंडिया की, तो जब हम छोटे थे, तब भी ऐसा होता था कि बच्चन साहब और रजनीकांत सर एक साथ काम करते थे, चाहे वो फिल्म हम हो या अंधा कानून। अब यह दौर फिर लौटा है, जिसमें अलग-अलग भाषाओं के सिनेमा के बीच अच्छा संबंध बन रहा है। आपको फिल्म इरादा में नेता के किरदार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था, इस सीरीज में आप फिर एक नेता के किरदार में हैं। हालांकि, आम तौर पर आप सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों में ज्यादा खुलकर राय जाहिर करती नहीं दिखती?

मैं जिन चीजों के बारे में बहुत मजबूती से महसूस करती हूँ, जिसके बारे में मुझे लगता है कि बोलना चाहिए, उसके बारे में बहुत मुखर तरीके से बोलती हूँ। जैसे, पर्यावरण को लेकर मुझे बहुत महसूस होता है। उसके बारे में मैंने कविता भी लिखी है। इस मुद्दे पर मैं

हर जगह बोलती भी हूँ कि इंसान, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों सबको साथ में को-एग्जिस्ट करना चाहिए। लेकिन मुझे नहीं लगता कि एक्टर होने के नाते हमारा हर मुद्दे पर राय देना या बोलना जरूरी है। आपको खुद राजनीति में किन्तनी रुचि है? अगर आपके पास पावर हो तो इंडस्ट्री में क्या चीज बदलना चाहेंगी? मुझे पॉलिटिक्स में कोई रुचि नहीं है, लेकिन अगर मेरे पास पावर हो तो मैं इंडस्ट्री का स्टार सिस्टम बदल दूंगी। आप ओटीटी पर स्कैन देखें या पंचायत देखें, वे किरदार हमें सिर्फ किरदार लगते हैं, लगता ही नहीं कि वे एक्टर हैं। इसलिए, चाहे स्टार हो, एक्टर हो या न्यूकमर हो, मेरे हिसाब से किरदार को जो सूट करता है, उसे ही कास्ट करना चाहिए। आपने सिनेमा से लेकर ओटीटी तक पर कई यादगार किरदार किए हैं। कई करैक्टर और सहयोगी भूमिकाओं में भी छाप छोड़ी है। आपके जेहन में कभी वो बॉलिवुड हीरोइन या स्टार बनने का ख्याल नहीं आया? मैं स्टार हूँ। मैं स्टार एक्टर हूँ। मैं अपने तरह की स्टार हूँ, जिसकी वजह से मुझे अपनी तरह का प्यार मिलता है और बहुत ही खूबसूरत रोल मिलते हैं। उसके लिए मैं

बहुत शुक्रगुजार हूँ। ऑडियंस के दिलों में जो मेरी जगह है, वो बहुत ही खूबसूरत है। मुझे कहीं कुछ बदलना नहीं है। मेरी सोच सिर्फ ये होती है कि मैं फिल्म का बेस्ट पार्ट करूँ। मेरे छोटे रोल भी आप देखेंगी, तो वे मैंने इसलिए किए, क्योंकि शायद उस प्रोजेक्ट का बेहतरीन रोल वही था। मेरी सोच यही रहती है कि मुझे बेस्ट रोल चाहिए। उस मामले में मैं बहुत भुवखड़ एक्टर हूँ कि ये वाला रोल ऑडियंस अपने घर लेकर जाएगी तो करेंगे, नहीं तो नहीं करेंगे। अब वो क्या रोल है, उससे मुझे फर्क नहीं पड़ता।

ऑन और ऑफ स्क्रीन औरतों की स्थिति में कितना बदलाव महसूस करती हैं?

सबसे ज्यादा बदलाव आया है और वह बदलाव आपको सेट पर दिखता है। आज हर विभाग में आपको महिलाएं दिखेंगी, चाहे कैमरा हो, डायरेक्शन, कॉस्ट्यूम, मेकअप हर जगह पर अब लड़कियां हैं। पहले नहीं होती थीं और यह बदलाव इतने सहज तरीके से धीरे धीरे हुआ है कि हमें अहसास भी नहीं होता, मगर इन बदलावों का स्वागत होना चाहिए। इसी तरह, पर्दे पर भी आप देखें कि कितनी सारी कहानियां महिलाओं पर बनाई जा रही हैं। अब वे ऑब्जेक्टिफाई नहीं हो रही हैं कि एक हीरोइन है, एक वैप है, एक कॉमेडियन है। आज हर तबके के एक्टर को उनका हक मिल रहा है, जो बहुत बड़ा बदलाव है।



गंभीर की कोचिंग में वैभव सूर्यवंशी को नजरअंदाज करने का खेल?

लक्ष्मण के आते ही बदल जाती है तरस्वीर, अब निर्णायक मुकाबले में भी संशय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा किसी परिचय की मोहराज नहीं है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कम समय में पहचान बनाने वाले वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार अवसर नहीं मिलना चर्चा का विषय बन गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच चार मुकाबले खेले जा चुके हैं और सीरीज 2-2 से बराबर है। सुधवार, 14 अक्टूबर को खेले गए चौथे टी20 में वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराकर मुकाबले को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया। अब शनिवार, 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाला पांचवां मुकाबला सीरीज का विजेता तय करेगा। हालांकि, इस मैच में भी वैभव को अंतिम एकदश में जगह मिलने पर संशय बना हुआ है। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में मैदान पर खेलने के बजाय अधिकतर समय पेच-पान के अंतराल में टीम के साथ दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिस युवा बल्लेबाज ने अपनी लिस्टफोटक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, उसे लगातार मौके क्यों नहीं मिल रहे हैं? इस बीच भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और वीवीएस लक्ष्मण के कार्यकाल में वैभव को मिले अवसरों के अंकड़े भी चर्चा में हैं।



गंभीर के कार्यकाल में कम मौके, लक्ष्मण के समय चमके वैभव

वैभव सूर्यवंशी के भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल होने के बाद भारत ने कुल 21 मुकाबले खेले हैं। इनमें 14 मैचों में गौतम गंभीर मुख्य कोच रहे, जबकि सात मुकाबलों में वीवीएस लक्ष्मण ने टीम की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान वैभव को मिले अवसरों पर नजर डालें तो दोनों कोचों के कार्यकाल में उनकी भूमिका अलग-अलग दिखाई देती है। गंभीर के मार्गदर्शन में वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर उन्हें लगातार

खेलने का अवसर मिला, जब उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खास छाप छोड़ी। दुबई और लक्ष्मण के मार्गदर्शन में खेले गए जिम्बाब्वे दौरे और एशियाई खेलों के मुकाबलों में वैभव को अपनी क्षमता दिखाने के अवसर मिले। हालांकि, इन अवसरों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि दोनों कोचों के बीच वैभव को अवसर देने की नीति में जानबूझकर अंतर किया गया। टीम घयन में प्रसिद्धि की परिस्थितियाँ, स्थितियों के संयोजन और रणनीति की भी भूमिका होती है।

एशियाई खेलों में दो मुकाबले खेले

एशियाई खेलों में भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। इसके बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में श्रीलंका और स्वर्ण पदक के मुकाबले में पाकिस्तान को हराया। वैभव ने इन दोनों मुकाबलों में हिस्सा लिया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 15 रन बनाए। भारत ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण, लेकिन शुरुआत रही साधारण

वैभव सूर्यवंशी की अंतरराष्ट्रीय दौरे पर पहली बार भारतीय टीम में चुना गया था। इस दौरे पर दो टी20 मुकाबले हुए, लेकिन उन्हें पदार्पण का मौका नहीं मिला। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर, नॉटिंघम और ब्रिस्टल में तीन मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने 14 के औसत से 42 रन बनाए। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 168 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का संकेत था। इंग्लैंड ने यह सीरीज 4-0 से जीती, जबकि फलतः मुकाबला बेनतीज रहा था। वैभव के करियर में सबसे शानदार मोड़ जिम्बाब्वे दौरे पर आया। सऊदी अरब की अनुपस्थिति में उन्हें अभिव्यक्ति के साधन का साधन मिला। वैभव ने इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया और तीन मुकाबलों में 151 रन बना कहे। उन्होंने 50.33 का औसत और 196.10 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

बेंगलुरु में मिलेगा मौका या फिर बाहर बैठेंगे वैभव?

वैभव अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, जिनमें उनके नाम 246 रन हैं। उनका औसत 30.75 है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उनका प्रदर्शन बल्लेबा है कि मौका मिलने पर वह तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में वैभव को मौका मिलता है या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा। भारत के लिए यह मुकाबला सीरीज जीतने के लिए ज़रूरी है। ऐसे में टीम प्रबंधन अनुभव, मौजूदा प्रदर्शन और मुकाबले की जरूरतों को ध्यान में रखकर अंतिम एकदश तय कर सकता है। वैभव के प्रदर्शनों की निगाहें अब बेंगलुरु पर टिकी हैं। राधाकृष्णन बताना नहीं है कि वह खेलेंगे या नहीं, बल्कि यह भी है कि भारतीय टीम प्रबंधन इस युवा प्रतिभा को अपनी क्षमता संश्लेषित करने के लिए कितना अवसर देता है।

गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों की लगाई क्लास, बोले-

फुलटॉस डालोगे तो पिच का क्या दोष! वेस्टइंडीज से हार के बाद उठाए सवाल

हैदराबाद, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से मिली हार के बाद गेंदबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठने लगे हैं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने 20 ओवर में 247 रन नुशा दिए। इसके बाद बल्लेबाजों ने जीत की कोशिश जरूर की, लेकिन टीम 223 रन तक ही पहुंच सकी। हार के बाद पिच को लेकर चर्चा शुरू हुई तो पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों की गलतियों पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि खराब गेंदबाजों के लिए पिच को दोष देना उचित नहीं है। सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों को पिच के बजाय अपनी गलतियों पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, गेंदबाजों ने कई मौकों पर गलत लेंथ से गेंदबाजी की, जिसका वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। जियोहॉर्टेस्टार पर चर्चा के दौरान गावस्कर ने कहा कि यदि गेंदबाज फुलटॉस गेंदें डालेंगे, तो इसमें पिच की क्या गलती है?



शाई होप के शतक ने भारतीय गेंदबाजों को किया बेहाल

मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और तीन विकेट पर 247 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। शाई होप ने 50 गेंदों में नाबाद 102 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, शिमरन हेटमायर ने महज 12 गेंदों में 33 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा दिया। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं

दिया। बड़े स्कोर के कारण भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 248 रन का कठिन लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने वाली भारतीय टीम को खंडू सीमसन ने तेज शुरुआत दितवाई। उन्होंने 23 गेंदों में 56 रन बनाए। इसके बाद मध्यक्रम में कुछ श्रिकेट गिरने से भारत की स्थिति कमजोर हुई। हालांकि, तिलक वर्म और नीतांश कुमार रेड्डी ने शानदार साझेदारी कर मुकाबले में भारत की वापसी कराई।

कप्तान ने भी मानी गेंदबाजों की रणनीति की अहमियत

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि बीच के ओवरों में पिच कुछ भीमी हुई थी और गेंद में अतिरिक्त उछाल भी देखने को मिला। हालांकि, उन्होंने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने परिस्थितियों और क्षेत्ररक्षण के अनुसार अपनी रणनीति में बदलाव किया। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से बराबरी कर ली है। अब निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम के सामने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजों में भी सुधार करने की चुनौती होगी। गावस्कर की टिप्पणी ने राहत कर दिया है कि बड़े लक्ष्य वाले मुकाबलों में कैप्टन पिच को दोष देने के बजाय सही लेंथ, सटीक रॉटर और अनुशासित गेंदबाजी बंधन ज़रूरी है।



टीम उन्हें आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए पूरी तरह तैयार रखना चाहती है।

रिपोर्टों के अनुसार, बुमराह अहमदाबाद में टेस्ट क्रिकेट की तैयारी शुरू कर चुके हैं। इस महीने के अंत तक उनके भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के उत्कृष्ट केंद्र पहुंचने और इसके बाद न्यूजीलैंड रवाना होने की संभावना है। टीम प्रबंधन लंबे दौर को देखते हुए उनके गेंदबाजी कार्यभार को नियंत्रित रखना चाहता है। रिपोर्टों के मुताबिक, बुमराह को छह नवंबर से शुरू होने वाले भारत ए के तीसरे मुकाबले में खिलाणे पर भी विचार किया जा रहा है। इससे उनकी गेंदबाजी का अभ्यास बरेगा और 19 नवंबर से वेलेगटन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मुकाबले से पहले उन्हें फर्माव समय मिल सकेगा।

हार का मुजरिम कौन?

रांची में मिली हार का टीकरा ओच पर फोड़ने के बाद हैदराबाद में मुकाबले के लिए टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के प्रदर्शन को तक्रार में खड़ा किया है। वेस्टइंडीज के मौजूदा संकेत गेंद दौरे में भारतीय क्रिकेट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर हार का असल मुजरिम कौन है? तीन मैचों की बन्धे सीरीज और शुरुआती टी-20 मुकाबलों के आंकड़े बताते हैं कि टीस और ओस के अलावा रमाट खेपेट, गेंदबाजों की नाकामी और टीम संयोजन भी सुर्खियों में रहा है। बन्धे सीरीज में दोनों टीमों की छह पारियों में कुल 2109 रन बने। 283 ओवर के खेल में रन गति 7.5 रन प्रति ओवर के आभास रही। बन्धे टी-20 मुकाबले के अठ पारियों में 1766 रन बन चुके हैं। यहां 151 ओवर के खेल में रन गति 11.70 रन प्रति ओवर तक पहुंच गई। वे आंकड़े बताते हैं कि बल्लेबाजों के लिए मोहल कितना अनुकूल रहा है, वहीं गेंदबाजों के सामने चुनौती शिकनी जटिल रही है। भारतीय सरजमी की शफट पिच पर गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश कम हो जाती है। न अतिरिक्त उछाल, न गेंद को रोकने वाली कतह और न ही बल्लेबाजों को परेशान करने वाली परिस्थितियां मजबूतदार पहलू यह है कि इस तरह की शिफट सिर्फ कष्ट बील फॉर्मेट में मिलती हैं। ऐसे में सज्जन-संघ में मासुकी छूट भी पॉके-छल्लों में बंदत जागी है। लेकिन क्या हर बार पिच या ओस को दोषी बनाकर गेंदबाजों की जिम्मेदारी से बचा जा सकता है? आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों से विविधता, सटीक रॉटर, गति में बदलाव और दबाव के क्षणों में बेहतर निर्णय की अपेक्षा की जाती है। हालांकि खर्दियों के मोहल में टॉस और ओस की भूमिका को भी पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। नियुक्ति पारी में गौती गेंद के कारण थियनरी की फल्ट कमजोर होती है और तेज गेंदबाजों के लिए गेंद पर नियंत्रण बनार रखना मुश्किल हो सकता है। इसके बावजूद बेहतर रणनीति बनाने की जिम्मेदारी टीम मैनेजमेंट और कप्तान की भी होती है। ऐसे में फॉलोअप में बदलाव, गेंदबाजों के शिकल्यों का इस्तेमाल और सही समय पर आक्रमण करना परिस्थितियों के प्रभाव को कम कर सकता है। ऐसे सवाल टीम संयोजन पर भी उठता है। क्या टीम परिस्थितियों के अनुसार पर्याप्त गेंदबाजी शिकल्यों के साथ उतर रही है? क्या बल्लेबाजों की ताकत बढ़ाने के चक्कर में गेंदबाजों संतुलन से समझौता हो रहा है? बड़े स्कोर वाले मुकाबलों में शिफ्ट रन बनाने की क्षमता पर्याप्त नहीं होती, बल्कि शिरोनी टीम को रोकने की योजना भी उतनी ही अमम होती है। यही उजह है अब टीम इंडिया के लिए ज़रूरी है कि वह हार का टीकरा टीस, ओस या सिर्फ गेंदबाजों पर फोड़ने के बजाय अपनी रणनीति की समीक्षा भी करे। आखिरकार हलतार दोनों टीमों के सामने एक ही तरह के होते हैं, लेकिन उनका बेहतर इस्तेमाल करी करता है जो जबाब में सही फैसले लेता है। हार का मुजरिम किसी एक को उधारने से ज्यादा ज़रूरी यह पहचानना है कि टीम की कमजोर कड़ी कहां है।



आर्तोह गेंदबाजी खेल खिलाडू

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोलपाने पर चिंता जताई

सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



□ **एजेंसी नई दिल्ली**
ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।' बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना ज़रूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन

के लिए ज़रूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुवार को सोशल प्लेटफॉर्म जू पोस्ट में अपनी बात रखी। मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया। मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।' जब एथलीट्स को लगता है

कि वे खुलकर नहीं बोल सकते, तो समय के साथ इससे कहीं ज्यादा गंभीर समस्या पैदा होती है। वे धीरे-धीरे अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं। ऐसा होने पर खेलों में उत्कृष्टता के लिए ज़रूरी कुछ खो जाता है। देश को ऐसे एथलीट्स चाहिए, जो अपने काम, कोच, उन्हें सुझाए गए तरीकों और उनके आसपास मौजूद व्यवस्थाओं पर सवाल करें। यह विरोध के लिए नहीं, बल्कि सच में सुधार की इच्छा से होना चाहिए।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलिंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सीखने से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलिंपिक कमिटी की एथलीट्स कमिशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

□ **एजेंसी मंडिड**

भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था।

चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर है। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था।

पैनिक अटैक में होंट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल

चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंजायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंट कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल



मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि दृष्टिकरण ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल

चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला दृष्टिकरण खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार

उन्से कहा था, जिंदगी में संतुलन ज़रूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता। चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं। मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।' उन्होंने कहा, 'मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं इसी रास्ते पर चलता रहा, तो जिस चीज से मुझे सबसे ज्यादा प्यार है, उस क्रिकेट को बर्बाद कर दूंगा।'



चहल ने कहा- कठिन समय में दोस्त और परिवार हमेशा साथ रहा आकाश चोपड़ा ने चहल से पूछा कि निजी जिंदगी की परेशानियों के दौरान उनके साथ कौन था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में भावनात्मक चोट, पेशेवर जिंदगी के संकट से अलग होती है। चहल ने जवाब दिया, 'मेरे सबसे अच्छे दोस्त और परिवार मेरे साथ थे।'

शराब छोड़ने पर चहल ने कहा, 'पिछले साल काउंटी क्रिकेट के बाद मैंने शराब छोड़ने का फैसला किया। बात हद से ज्यादा बढ़ गई थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने रिहैब सेंटर में दाखिला लिया और 26 दिन वहां रहा। अब मुझे पता है कि इसे कैसे संभालना है।' हल के मुताबिक, इस फैसले से उनकी निजी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। उनकी समझ बढ़ी

18 करोड़ में पंजाब किंग्स से जुड़ने पर खुद को साबित किया

पेशानी धीरे-धीरे कम होने पर चहल ने इसे पीछे छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'पंजाब किंग्स के साथ मेरे पहले साल में टीम ने मेरे लिए 18 करोड़ रुपए दिए। मुझे लगा कि उन्होंने मुझ पर इतने पैसे के साथ भरोसा किया है, इसलिए मैं उन्हें निराश नहीं कर सकता।'

शिकारीपाड़ा में स्थानीय स्तर की बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों का मार्गदर्शन और सशक्तिकरण बैठक आयोजित

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

शिकारीपाड़ा /दुमका: प्रखण्ड सभागार शिकारीपाड़ा में 16/10/26 को प्रखण्ड प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थान प्रवाह के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम, पंचायत और प्रखण्ड स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का मार्गदर्शन और क्षमता वर्धन बैठक आयोजित किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय संस्थानों की भूमिका और जिम्मेदारियों सहित बच्चों के लिए मौजूदा कानून,सेवाएं, योजनाएं, सरकारी दिशा-निर्देश और स्थानीय संस्थानों की भूमिका और दायित्वों पर जानकारी तथा चर्चा करके बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करना है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रखण्ड विकास



पदाधिकारी मो० एजाज आलम, अंचलाधिकारी कपिलदेव ठाकुर, श्रम प्रवर्तन पधाधिकारी पमेन्द्र कुमार, मुखिया नमिता बासकी और एफ.एक्स.बी इंडिया सुरक्षा की प्रोग्राम मैनेजर प्रांजीता बोरा ने संयुक्त रूप से किया। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने उद्घाटन स्तर के दौरान अपने संबोधन में बाल संरक्षण में बच्चों के पालन

पोषण से लेकर उनकी शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण बिन्दुयों पर सभी का मार्गदर्शन करते हुए बाल कल्याण एवं संरक्षण में परिवार आधारित देखभाल और संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया। अंचलाधिकारी ने अपने संबोधन में पंचायती राज संस्थान और विद्यालय स्तर पर बच्चों के कल्याण और संरक्षण से

संबंधित गतिविधियों को करने की अपील की तथा अपना अनुभव साँझा किया। उन्होंने बच्चों को सकारात्मक रूप से प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को पंचायत स्तर पर आयोजित करने के महत्व और आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्र के दौरान एफ एक्स बी इंडिया सुरक्षा की प्रोग्राम मैनेजर प्रांजीता बोरा ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार के संकल्प के आलोक महत्वपूर्ण जानकारी साँझा किया। जिसमें दोनों ने मिशन वात्सल्य के अंतर्गत बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के संचालन हेतु झारखंड सरकार द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शिका के अंतर्गत उल्लेखित पंचायत स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की संरचना, कार्य और

दायित्व, बाल संरक्षण में भूमिका, कार्यवाही सहित आवश्यक जानकारी प्रदान करके पंचायत स्तर पर समिति गठन हेतु जोर दिया गया तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा हरसंभव सहयोग की प्रतिवद्धता जताई गई। प्रतिभागियों को हैन्ड्सबल के माध्यम से पोकसो अधिनियम- 2012 के तहत यौन हमला, यौन उत्पीड़न और प्रवेशात्मक लैंगिक हमले की परिभाषा, सजा के प्रावधान, बाल संरक्षण और कल्याण में अनिवार्य रेपोटिंग का महत्व, किशोर न्याय/बालकों को देखरेख और संरक्षण) अधिनियम -2015 के अंतर्गत देखभाल और संरक्षण के ज़रूरतमंद बच्चों की कोटी और इन बच्चों को चिन्हित करके मुख्यधारा में लाने हेतु पंचायती राज संस्थान सहित अन्य स्थानीय संस्थाओं की भूमिका पर प्रमुखता

से चर्चा की गई। साथ ही सुरक्षित व असुरक्षित पलायन में अंतर तथा बाल दुर्व्यवहार से संबंधित संकेतकों की पहचान और बाल हितैषी प्रतिक्रिया पर भी जानकारी साँझा की गई। बैठक के दौरान बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध के प्रति सभी संवेदनशील दिखे और बच्चों के सुरक्षा और भयमुक्त माहौल के लिए सामूहिक निगरानी और सामूहिक जिम्मेदारी पर अधिक बल दिया गया। जिसमें स्थानीय संस्थानों की भूमिका और जिम्मेदारियों को महत्वपूर्ण बताया गया। इस मौके पंचायत सचिव, मुखियागण, समेकित बाल विकास परियोजना के कर्मी, आंगनवाड़ी सेविका, पारा लीगल वॉलन्टियर, स्वयंसेवी संस्थान प्रवाह और सिनी के कार्यकर्ता एवं अन्य हितधारक उपस्थित थे।

समाचार सार

धनबाद के झारखंड मैदान में सत्यम शिवम सुंदरम पूजा कमिटी का दुर्गोत्सव



धनबाद (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): शहर के झारखंड मैदान में सत्यम शिवम सुंदरम पूजा कमिटी द्वारा आयोजित दुर्गोत्सव इस वर्ष अपने 27वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस पावन अवसर पर पूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन धनबाद के विधायक राज सिन्हा द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक ने कमिटी के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जिले में इस पंडाल की खास महत्ता व पहचान पर प्रकाश डाला। हर साल की तरह इस बार भी झारखंड मैदान का पूजा पंडाल श्रद्धालुओं के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष कमिटी ने पंडाल को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और इंडोनेशियाई आदिवासी थीम पर बेहद मनमोहक रूप से तैयार किया है। पंडाल की आकर्षक सजावट और इसकी भव्य संरचना दूर से ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। विधायक राज सिन्हा ने उद्घाटन के उपरांत मां भवानी से पूरे जगत के कल्याण, सुख और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि झारखंड मैदान का यह दुर्गोत्सव धनबाद के सबसे प्रसिद्ध और भव्य आयोजनों में से एक है, जहां हर साल एक विशाल मेला भी लगता है। इस बार भी यहाँ दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं और दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल है।

15 वर्षों से अटूट आस्था का केंद्र मां तारा मंदिर, अखंड कीर्तन-हवन और विशाल भंडारे में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



तोपचांची : प्रखंड के प्रधानखंता स्थित श्री श्री 1008 मां तारा मंदिर में दुर्गा पूजा के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के तहत शुक्रवार को भव्य अखंड कीर्तन, हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मां तारा मंदिर दुर्गा पूजा समिति सह त्रिशक्ति ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां तारा के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में आयोजित 24 घंटे के अखंड कीर्तन और हवन में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। तोपचांची प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां तारा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। प्रधानखंता स्थित मां तारा मंदिर में पिछले 15 वर्षों से दुर्गा पूजा के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बढ़ रही है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचकर मां के दरबार में मत्था टेकते हैं। इस अवसर पर संस्थापक मंतोष पाठक उर्फ तारा बाबा शमशानी ने कहा कि मां तारा के दरबार में सच्चे मन और श्रद्धा के साथ आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था, सकारात्मक ऊर्जा और आपसी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। मौके पर समिति अध्यक्ष गंगा नारायण सिंह, उपाध्यक्ष जेतु महतो, सचिव गौतम कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष रामाकांत महतो, व्यवस्थापक मुन्ना पाठक, तारकेश्वर महतो, काजल उपाध्याय, धनंजय कृपालु जी महाराज, अमित उपाध्याय, मिथिलेश सिंह, रिकू सिंह, मनोज ठाकुर, मेघनाथ ठाकुर और शिवू सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्रामीणों के सड़क जाम करने के बाद पहुंची एनडीआरएफ, 28 घंटे बाद मिला वरुण का शव

एनएच-22 जाम कर ग्रामीणों ने जताया था आक्रोश, 30 सदस्यीय टीम ने चलाया तलाशी अभियान



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

बालूमाथा : जोगियाडीह गांव स्थित तालाब में डूबे एकसीआई गोदाम के मजदूर वरुण नायक का शव शुक्रवार को करीब 28 घंटे बाद बरामद किया गया। शव की तलाश में देरी से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार



को एनएच-22 जाम कर विरोध जताया था। इसके बाद प्रशासन की पहल पर रांची से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 30 सदस्यीय टीम बुलाई गई। जानकारी के अनुसार, वरुण नायक गुरुवार सुबह करीब नौ बजे तालाब में नहाने के दौरान डूब गए

थे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी देर तक तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। शुक्रवार को पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने नौका, ऑक्सिजन सेट, कैमरे और अन्य

आधुनिक उपकरणों की मदद से तलाशी अभियान चलाया। करीब 28 घंटे की मशकत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

दुर्गा पूजा से पहले धनबाद में निगम का बुलडोजर एक्शन : बरमसिया से धनसार तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : दुर्गा पूजा के दौरान शहर में लगने वाली भारी भीड़ और जाम की समस्या से निपटने के लिए धनबाद नगर निगम पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। शहर की मुख्य सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बरमसिया से मर्नईटांड होते हुए धनसार तक एक बड़ा अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे अवैध कब्जा जमाकर बैट्री अस्थायी दुकानों और टेलों को हटाय़ा गया। कार्रवाई के दौरान धनसार थाना पुलिस भी दल-बल के साथ मौके पर मौजूद रही।



अल्टीमेटम के बाद निगम की सख्त कार्रवाई
त्योहारों के महेनजर शहर को सड़कों को सुगम और जाम मुक्त रखने के लिए नगर निगम ने पहले ही मुनादी करवाकर दुकानदारों को खुद से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन

ने कड़ा रुख अपनाते हुए बुलडोजर और टीम के साथ यह कार्रवाई शुरू की। धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने बताया कि सड़क किनारे अवैध कब्जों के कारण पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जिसकी लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

डीसी के सख्त निर्देशों के तहत ही यह अभियान चलाया गया है। **दोबारा कब्जा करने पर होगी कानूनी कार्रवाई**
निगम और पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से साफ कर दिया है कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि दुर्गा पूजा को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखना उनकी प्राथमिकता है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि किसी ने दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई के बाद अब यह देखना अहम होगा कि धनबाद की सामान करना पड़ रहा था, जिसकी लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश

सवेदनशील स्थलों पर रहेगी विशेष निगरानी, 24 घंटे कार्यरत जिला नियंत्रण कक्ष का एसपी ने लिया जायजा

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार: दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को नवनिर्मित जिला नियंत्रण भवन के सभागार में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी पदाधिकारियों को सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करने तथा पूजा पंडालों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने की भी कहा गया। उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद ने सभी दंडाधिकारियों को अपने



निर्धारित स्थलों पर उपस्थित रहकर स्थिति पर नजर रखने तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने का निर्देश दिया। वहीं, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी ने पदाधिकारियों से अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और विधि-व्यवस्था से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना वरीय अधिकारियों को तत्काल देने की बात कही। बैठक में अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं के प्रसार पर नजर रखने, श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान सुरक्षा

सुनिश्चित करने तथा किसी भी परिस्थिति में आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा न करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशान्-निर्देशों का पालन करें।

24 घंटे सक्रिय रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष
दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06565-247981, मोबाइल

नंबर 8987796308, साइबर प्रकोष्ठ के क्वाट्सऐप नंबर 6206159795, मोबाइल नंबर 9229341575 अथवा आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दी जा सकती है। संयुक्त ब्रीफिंग के बाद पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने नवनिर्मित जिला नियंत्रण भवन में संचालित जिला नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया। प्रशासन के अनुसार, नियंत्रण कक्ष पूरी तरह कार्यरत है और इसके माध्यम से जिले की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, जिला भूमि सुधार उप महाधिकारी मेरी मंडल, लातेहार एवं महुआडांड के अनुमंडल पदाधिकारी सहित प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

मगध कोलियरी में सीआईएसएफ की छापेमारी, चार हाइवा जब्त, चालकों से मारपीट के आरोप पर आठ घंटे सड़क जाम

जांच के दौरान चालकों से मारपीट और मोबाइल छीनने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप, कार्रवाई की मांग पर गोलीटांड के समीप किया प्रदर्शन

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

बालूमाथा : सीसीएल द्वारा संचालित मगध कोलियरी में गुरुवार की मध्य रात्रि सीआईएसएफ ने छापेमारी अभियान चलाकर चार हाइवा जब्त कर लिए। इसमें दो हाइवा कोयला लदे और दो खाली बचाए जा रहे हैं। वहीं, जांच के दौरान वाहन चालकों के साथ मारपीट करने और मोबाइल छीनने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने गोलीटांड के समीप सड़क जाम कर दिया। इससे कोयला परिवहन करने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की मध्य रात्रि अवैध कोयला परिवहन की सूचना मिलने पर सीआईएसएफ ने मगध कोलियरी क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान दो कोयला लदे हाइवा जब्त किए गए। इसके बाद वाहनों के कागजात की जांच की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि 12 नंबर बैरियर के समीप जांच के दौरान कोयला लेकर आ रहे और मगध कोलियरी की ओर जा रहे कई हाइवा चालकों के साथ मारपीट की गई। कुछ राहगीरों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया और कई लोगों के मोबाइल छीन लिए गए।घटना के बाद ग्रामीण और महिलाएं आक्रोशित हो गए। उन्होंने सीआईएसएफ के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि



नियमों के विरुद्ध कोयला परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जांच के नाम पर खाली हाइवा चालकों और राहगीरों के साथ मारपीट करना गलत है।ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह पांच बजे गोलीटांड के समीप सड़क जाम कर दिया। करीब आठ घंटे तक चले जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दोपहर लगभग एक बजे बालूमाथ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उमेश कुमार सिंह और थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा जामस्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता की और समझ-बुझाकर जाम समाप्त कराया। इस संबंध में एसडीपीओ उमेश कुमार सिंह और थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा ने बताया कि जब्त किए गए चार हाइवा में दो कोयला लदे और दो खाली हैं। सीआईएसएफ की ओर से बालूमाथ थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त कोयला लदे हाइवा के कागजात की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।